सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-351
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

अगर आप हार नहीं मानते, तो आपको कोई नहीं हरा सकता.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 29 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुप्रीम कोर्ट ने जताई परिवार संस्था के 'क्षरण' पर चिंता, की अहम टिप्पणी

'वसुधैव कुटुम्बकम' का देश परिवारों में एकता के लिए कर रहा संघर्ष

हम एक व्यक्ति एक परिवार की कगार पर खड़े हो गए

नई दिल्ली। परिवार की संस्था के 'क्षरण' पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत में लोग 'वसुधैव कुटुंबकम्' के सिद्धांत में विश्वास करते हैं, लेकिन करीबी रिश्तेदारों के साथ भी एकजुट रहने में विफल रहते हैं। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश की 68 वर्षीय समतोला देवी की याचिका का निपटारा करते हुए की। समतोला ने अपने सबसे बड़े बेटे कृष्ण कुमार को उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर में अपने पारिवारिक घर से बेदखल करने की मांग की थी। जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस एसवी एन भट्टी की पीठ ने कहा, भारत में हम वसुधैव कुटुंबकम् में विश्वास करते हैं, यानी पूरी धरती एक परिवार है। हालांकि, हम अपने परिवार में भी एकता कायम रखने में सक्षम नहीं हैं, दुनिया के लिए एक परिवार बनाने की बात तो दूर की बात है। परिवार की अवधारणा ही खत्म होती जा रही है और हम एक व्यक्ति एक परिवार की कगार पर खड़े हैं। पीठ के समक्ष रिकॉर्ड में लाया गया कि कल्लू मल नामक व्यक्ति (जिनकी बाद में मृत्यु हो गई) और उनकी पत्नी समतोला देवी के पांच बच्चे- तीन बेटे और दो बेटियां थीं। समतोला देवी का सुल्तानपुर में तीन दुकानों वाला एक घर था। समय के साथ,

माता-पिता और उनके बेटों, खासकर कृष्ण कुमार, जिन्होंने पारिवारिक व्यवसाय संभाला, के बीच विवाद होने लगे। 2014 में कल्लू मल ने कृष्ण कुमार पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया और एसडीएम से कानून के अनुसार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। 2017 में दंपती ने भरण-पोषण की मांग की। पारिवारिक अदालत ने दंपती को 8000 रुपये प्रति माह मंजूर किया, जिसे दो बेटों, कृष्ण कुमार और जनार्दन को बराबर चुकाना था।

बेटे को बेदखल करने की दी थी अर्जी 2019 में कल्लू मल और उनकी पत्नी ने कृष्ण कुमार को बेदखल करने के लिए याचिका दायर की। न्यायाधिकरण ने उन्हें अपने माता-पिता की अनुमति के बिना घर के किसी भी हिस्से पर अतिक्रमण न करने का आदेश दिया लेकिन बेदखली का आदेश नहीं दिया। इस निर्णय से असंतुष्ट माता-पिता ने अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील की, जिसने कुमार को बेदखल करने का आदेश दिया लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने इसे उलट दिया। इस बीच हाईकोर्ट में मामले के लंबित रहने के दौरान कल्लू मल का निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी ने कानूनी कार्यवाही जारी रखी और अपने बेटे को बेदखल करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। उन्होंने तर्क दिया कि घर उनके पति की स्व-अर्जित संपत्ति थी और कृष्ण कुमार का वहां रहने का कोई वैध दावा नहीं है। हालांकि शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

बेदखल करने का कोई अधिकार नहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के प्रावधानों में कहीं भी किसी ऐसे वरिष्ठ नागरिक के स्वामित्व वाले या उससे संबंधित किसी भी परिसर से व्यक्तियों को बेदखल करने की कार्यवाही करने का विशेष प्रावधान नहीं है। यदि यह दावा स्वीकार कर लिया जाता है कि घर कल्लूमल की स्वयं अर्जित संपत्ति थी और केवल उन्हीं का था तो जब उन्होंने इसे अपनी बेटियों और दामाद को हस्तांतरित कर दिया तो वे अब इसके मालिक नहीं रहे। उस स्थिति में, न तो कल्लूमल और न ही उनकी पत्नी को घर में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को बेदखल करने का कोई अधिकार है।

बेटा होने के नाते घर में रहने का अधिकार पीठ ने कहा, रिकॉर्ड में ऐसी कोई शिकायत या सबूत नहीं है जिससे पता चले कि कृष्ण कुमार ने अपने माता-पिता को अपमानित किया या किसी भी तरह से उनके रहने में हस्तक्षेप किया। अदालत ने कहा कि कृष्ण कुमार को बेदखल करने का आदेश देना विवेकपूर्ण नहीं लगता क्योंकि बेटा होने के नाते उनके पास घर में रहने का निहित लाइसेंस भी है।

जस्टिस यशवंत वर्मा का तबादला सरकार ने किया मंजूर, भड़के वकील

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनका तबादला इलाहाबाद हाई कोर्ट करने की सिफारिश की थी। सरकार ने शुक्रवार को इस सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी। अधिसूचना के अनुसार, राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके बाद राष्ट्रपति ने उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पदभार संभालने का निर्देश दिया है। दूसरी ओर जस्टिस यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में तबादले के विरोध में इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था। शुक्रवार को यह आदेश आने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाती, बेमियादी हड़ताल जारी रहेगी।

कोई ज्यूडिशियल वर्क न सौंपा जाए सुप्रीम कोर्ट की ओर से शुक्रवार शाम प्रेस रिलीज जारी कर कहा गया कि जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर होने के बाद उनके द्वारा वहां चार्ज लेने के बाद जस्टिस वर्मा को कोई ज्यूडिशियल वर्क न सौंपा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया स्वतंत्र निर्णय सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले को एक स्वतंत्र निर्णय बताया है, लेकिन यह भी उल्लेखनीय है कि जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से एक थे। उन्हें उनके पैतृक स्थान इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया गया है। वे पूर्व में कई प्रशासनिक समितियों का हिस्सा रह चुके हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की वेबसाइट पर 27 मार्च को प्रकाशित सूचना के अनुसार, 26 मार्च से सभी प्रशासनिक समितियों का पुनर्गठन किया गया है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने दी कड़ी प्रतिक्रिया जस्टिस यशवंत वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद किए जाने की अधिसूचना जारी होने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल तिवारी ने कहा कि हिंदुस्तान की न्यायपालिका का आज सबसे काला दिन है। पिछले दिन जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनका स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की सिफारिश के खिलाफ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन मंगलवार से आंदोलन कर रहा है। अनिल तिवारी ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन उनके शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करने का निर्णय कर चुकी है। हमारी हड़ताल का स्वरूप बदल सकता है, लेकिन लड़ाई जारी रहेगी।

हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

होटल- रेस्टोरेंट अपने बिल में नहीं लगा सकेंगे सर्विस चार्ज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट अपने बिल में अपने आप सर्विस चार्ज नहीं लगा सकते। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) के नियमों को सही ठहराते हुए कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना गलत है। इससे ग्राहकों के हक मारे जाते हैं और यह गलत तरीके से व्यापार करने जैसा है। जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि सर्विस चार्ज या टिप देना ग्राहक की मर्जी है। इसे जबरदस्ती नहीं वसूला जा सकता।

सीसीपीए ने जुलाई 2022 में कुछ नियम बनाए थे। इनका मकसद था कि ग्राहकों के साथ गलत व्यवहार न हो और उनके हक सुरक्षित रहें।

कोर्ट ने कहा कि ग्राहकों के अधिकार सबसे ऊपर हैं। सीसीपीए ग्राहकों के अधिकारों का रक्षक है और उसके पास नियम बनाने का अधिकार है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सीसीपीए सिर्फ सलाह देने वाली संस्था नहीं है, बल्कि वह ग्राहकों के हक के लिए नियम बना सकती है।

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया और फेडरेशन ऑफ होटल्स एंड रेस्टोरेंट असोसिएशंस ने कोर्ट में कहा था कि सर्विस चार्ज लगाने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह तरीका पूरी दुनिया में चलता है और इससे ग्राहकों के साथ कोई गलत व्यवहार नहीं होता। उनका कहना था कि सर्विस चार्ज एक पुराना तरीका है और इसे मेनू कार्ड और रेस्टोरेंट में साफ-साफ लिखा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सीसीपीए के नियम गलत हैं और उनके पास सर्विस चार्ज पर रोक लगाने का कोई अधिकार नहीं है। जुलाई 2022 में हाईकोर्ट ने सीसीपीए के नियमों पर रोक लगा दी थी, लेकिन कोर्ट ने यह भी कहा था कि रेस्टोरेंट और होटल अपने आप सर्विस चार्ज नहीं लगा सकते।

झुलसाने वाला पूर्वानुमान- भारतीय मौसम विभाग ने जारी किया लेटेस्ट अपडेट, 2025 होगा अब तक का सबसे गर्म साल

लू के दिनों की संख्या होगी दोगुनी, 5 डिग्री से ज्यादा उछलेगा पारा

नई दिल्ली। देश में मौसम को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बार मार्च में ही अप्रैल जैसी गर्मी पड़ी। वहीं देश के कई राज्य अभी से ही भीषण गर्मी की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में आशंका जताई जा रही है देश में इस बार उम्मीद से कहीं ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने मौसम को लेकर लेटेस्ट अपडेट जारी किया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस साल देश के नॉर्थ-वेस्ट राज्यों यानी हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली में हीटवेव (लू) के दिनों की संख्या दोगुनी होनी की आशंका है। वेदर रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 भारत के लिए सबसे ज्यादा गर्म सालों में से एक रहा था, बताया जा रहा है पिछले साल 554 दिन हीटवेव का असर दिखाई दिया। अकसर आमतौर पर अप्रैल से जून के महीनों में लगातार 5 से 6 दिन लू चलती है, लेकिन इस बार 10 से 12 दिन लू का असर जारी रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हीटवेव के दिनों की संख्या दोगुनी होती है तो 2025 अब तक का सबसे गर्म साल होगा। इन दिनों का तापमान सामान्य से 5 डिग्री या इससे भी ज्यादा रह सकता है।

केंद्र सरकार हुई सतर्क, नया नियम लागू मौसम विभाग की तरफ से इस वर्ष भीषण गर्मी का पूर्वानुमान जताए जाने के बाद केंद्र ने सार्वजनिक कार्यक्रमों को लेकर नया नियम लागू किया है। इसके तहत, किसी धार्मिक, सरकारी, राजनीतिक या अन्य किसी अन्य बड़े सार्वजनिक आयोजन के दौरान प्रति व्यक्ति दो लीटर के हिसाब से पेयजल की व्यवस्था करनी अनिवार्य है। यह नियम आगामी जुलाई माह तक लागू रहेंगे। केंद्र ने इस बाबत सभी राज्यों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव की तरफ से जारी निर्देश में कहा गया है कि देश के कुछ हिस्सों में तापमान बढ़ने से गर्म हवा और भीषण गर्मी का अनुभव किया जा रहा है।

स्व. श्री. चिंतामणि मिश्रा

अठाईसवीं पुण्यस्मृति पर श्रद्धांजलि

फिर पुराने नीम के नीचे खडा हूँ, फिर पिता की याद आई है मुझे
नीम सी यादें हृदय में चुप समेटे, चारपाई डाल आँगन बीच लेटे
सोचते हैं हित सदा उनके घरों का, दूर है जो एक बेटी चार बेटे
फिर कोई रख हाथ काँधे पर, कहीं यह पूछता है-
"क्यूँ अकेला हूँ भरी इस भीड मे", मै रो पडा हूँ
फिर पिता की याद आई है मुझे, फिर पुराने नीम के नीचे खडा हूँ

श्रद्धान्वत

News सिटी चीफ अभिप्राय CCN CABLE

13 करोड़ रुपए में हुई दो शराब दुकानों की नीलामी, 256 करोड़ की 27 दुकानें बच गईं

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आबकारी विभाग अपनी सभी दुकानों की नीलामी में जुटा है। मगर पहली खेप में 20 फीसदी से अधिक कीमत पर कई समूह आगामी वित्त वर्ष के लिए भी वर्तमान ठेकेदारों ने हासिल कर लिए। इंदौर की 175 दुकानों के लिए कुल 73 समूह विभाग ने बनाए थे और कुल 1751 करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य तय किया, जिसमें से 1495 करोड़ की दुकानें नीलाम हो गई हैं और अब 256 करोड़ की 27 दुकानें नीलामी से बची हैं, जिनके लिए 10 फीसदी से कम के भी प्रस्ताव हासिल करने की सहमति शासन ने दे दी है। वहीं अभी तीन समूह में शामिल दुकानों की नीलामी हो गई, जिसमें पलासिया, छावनी, बिजलपुर समूह शामिल रहे।

20 फीसदी से अधिक का मूल्य दे रहे

व्यापारी शासन ने अपनी नई आबकारी नीति के तहत इंदौर सहित प्रदेशभर में देसी-विदेशी शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करवाई। हालांकि इंदौर जिले में बेहतर राजस्व प्राप्त हो जाएगा, क्योंकि 64 दुकानों को अगले साल के लिए भी चलाने का ठेका मौजूदा लाइसेंसियों ने ही हासिल कर लिया है और इसके एवज में 20 फीसदी से अधिक का मूल्य भी चुकाया जा रहा है। शेष बची समूहों की दुकानों के लिए हालांकि 4 से 5 बार आबकारी विभाग ई-टेंडर और लॉटरी की प्रक्रिया कर चुका है और उसके बाद जो 18 समूह की 34 दुकानें बची थी उसमें भी फिर बदलाव किया गया, जिसके चलते 3 समूह की दुकानें भी नीलाम हो गई, जिसमें बिजलपुर, केसरबाग, बालदा कॉलोनी की तीन दुकानों के एवज में 27.62 करोड़ रुपए मिलेंगे।

नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई

इसी तरह पलासिया, बड़ी ग्वाल टोली की 2 दुकानें 17.05 करोड़ रुपए में नीलाम हुई हैं। संयोगितागंज, छावनी की भी दो दुकानें 13.30 करोड़ रुपए में नीलाम करने में सफलता मिली है।

आबकारी निरीक्षक महेश पटेल के मुताबिक अब 256 करोड़ रुपए मूल्य की 27 दुकानें नीलामी से शेष बची हैं, जिसकी प्रक्रिया जारी है। इस बार सभी दुकानों का आरक्षित मूल्य 1751 करोड़ रुपए तय किया गया था, जिसमें से 1495 करोड़ रुपए की दुकानें अगले वित्त वर्ष के लिए नीलाम हो गई हैं और कुछ दुकानों पर सिंगल टेंडर भी मिले। वहीं अन्य दुकानों के लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई।

मार्च के अंतिम दिनों में रजिस्ट्रार कार्यालय में विशेष व्यवस्था

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मार्च माह के अंतिम दिनों में दस्तावेजों का पंजीयन अधिक संख्या में होता है। इस वर्ष भी मार्च के आगामी दिनों में सामान्य दिवसों की अपेक्षा दस्तावेजों के पंजीयन में वृद्धि होने की संभावना है।

इसके लिए सम्पदा (इस्टेट) 1.0 में शाम 7 बजे तक स्लॉट ओपन किए गए हैं। प्रति उप पंजीयक 86 स्लॉट उपलब्ध हैं। सम्पदा (इस्टेट) 2.0 में भी पर्याप्त संख्या में स्लॉट उपलब्ध हैं। वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि इसे देखते हुए जिले के सभी ई-पंजीयन सेवा प्रदाताओं को आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया है। कहा गया है कि सम्पदा खाते और वॉलेट में पर्याप्त बैलेंस पहले से लें और उसे मेंटेन करें ताकि अंतिम समय पर क्रेडिट लिमिट नहीं बनने या लिमिट अटकने पर परेशानी से बचा जा सके। काम के अनुमान के अनुसार बैंक खाते में पर्याप्त बैलेंस रखे ताकि अंतिम समय में दस्तावेजों के पंजीयन के लिये क्रेडिट लिमिट बनाई जा सके। यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्यालय में किए जाने वाले काम की क्षमता के

अनुसार ही पक्षकारों को कार्यालय में बुलाएं। सुव्यवस्थित ढंग से प्लानिंग के अनुसार काम करें ताकि गर्मी के समय में पक्षकार को अनावश्यक परेशानी ना हो। पीने के पानी, बैठक की व्यवस्था बनी रहे। पक्षकारों को बुक किए गए स्लॉट के सही समय पर उप पंजीयक कार्यालय में भेजे ताकि उप पंजीयक कार्यालय में उनका काम सुगमता से हो सके। सुबह के स्लॉट का उपयोग करें और सुबह के स्लॉट के पक्षकारों को सुबह ही उप पंजीयक कार्यालय में भेजें।

शहर में बने रहे डिजिटल बस स्टॉप पता चल जाएगा कब आएगी बस

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में बस स्टॉपों पर सुविधाएं बढ़ाने का काम शुरू हो चुका है। इसी क्रम में बस स्टापों को आधुनिक किया जा रहा है। इस काम में यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने पर खास ध्यान दिया जाएगा। डिजिटल बस स्टॉप पर यात्रियों को आराम दायक सीट के अलावा मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी मिलेगी।इंदौर में 15 साल पहले सिटी बसें चलना शुरू हुई थीं। उसी दौरान पीपीपी मॉडल पर 200 बस स्टॉप बनाए गए थे। स्टॉपों पर विज्ञापन भी लगाए जाते थे, लेकिन अब उन स्टॉपों को अपडेट किया जा रहा है। वहां डिजिटल डिस्प्ले लगाए जाएंगे। इसके अलावा आरामदायक सीट, दिव्यांगों व वरिष्ठजनों के लिए रैंप और मोबाइल चार्जिंग की सुविधा भी रहेगी। मॉडल के तौर पर बांबे अस्पताल क्षेत्र में एक बस स्टॉप तैयार हो चुका है।नगर निगम के अफसरों ने बताया कि कुछ बस स्टॉप काफी पुराने हैं। उनका स्ट्रक्चर भी बदला जाएगा। इसके अलावा टाइल्स भी नई लगाई जाएंगी। कुछ नए स्थानों पर भी बस स्टॉप बनाए जाएंगे। स्टॉप पर कौन-कौन से रूट की बसें आती है और उनका क्या समय है। इसकी जानकारी भी दी जाएगी। जिन बस स्टॉपों पर ज्यादा भीड़ रहती है। वहां कैमरे लगाने की योजना भी है। जल्दी ही शहर के अन्य बस स्टॉपों को भी बदला जाएगा।शहर में जो पुराने बस स्टॉप बने हैं। वहां सफाई का अभाव रहता है। कुर्सियां गंदी रहती हैं और कचरा भी समय पर नहीं उठता है। इसके अलावा कुछ स्टॉपों पर असामाजिक तत्वों ने कब्जे करके रखे हुए हैं। वे वहां पर खाना बनाते है और रात के समय सोते है। इस कारण यात्री भी उन स्टॉपों पर खड़े रहने से डरते है। ऐसे स्टाप को भी अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा।

आभूषण कारखाने से 27 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त, बाल श्रमिक मिले

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर की मोरसेली गली में प्रशासन की टीम ने छापा मार कार्रवाई की। यहां मेटल पिघलाकर आभूषण बनाने वाले कारखाने पर कई अनियमितताएं मिली। इस दौरान कारखाने से 27 घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए।

इसके अलावा इस क्षेत्र की पांच दुकानों में भी पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम नहीं पाए गए। इतना ही नहीं यहां बाल श्रमिक काम करते मिले हैं। टीम ने कार्रवाई करते हुए संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज किया है।बता दें कि प्रशासन ने अग्नि सुरक्षा के लिए शहर में अभियान चलाया हुआ है। शहर के पुराने इलाकों की छोटी गलियों में कारखाने संचालित होते हैं, लेकिन वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं होते हैं। हाल ही में क्लाथ मार्केट में छह दुकानों में आग लग गई थी। इससे पहले सराफा में भी एक मकान में

आग लगने की घटना हो चुकी है। प्रशासन के छापेमारी में बाल श्रम का भी बड़ा मामला सामने आया है। यहां दुकान संचालक इन बाल श्रमिकों से खतरनाक काम कराते हैं। जैसे मेटल पिघलाने, तेजाब से धातु धोने का काम कराया जाता है। इन बच्चों को बंगाल से लाया जाता है और उनके माता-पिता को सालभर का पैसा इसके एवज में दिया जाता है। इस क्षेत्र में कई अन्य संस्थान हैं, जहां बाल श्रमिकों से काम कराया जा रहा है। प्रशासन अन्य क्षेत्रों की जांच भी करेगा और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। एसडीएम निधि वर्मा ने कमला टॉवर के जिस कारखाने पर छापा मारा। वहां भी सिलेंडरों से धातु पिघलाकर ज्वेलरी बनाई जा रही थी, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे। यहां से सिलिंडरों को खाद्य विभाग ने जब्त किया है। संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।

विद्यार्थी की आत्महत्या के मामले में गेमिंग एजेंट पर एफआईआर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक विद्यार्थी की आत्महत्या के करीब 5 महीने बाद पुलिस ने एफआईआर की है। इस मामले में परिवार के बयान लेने पर पता चला कि वह ऑनलाइन गेमिंग की लत में था। जिसमें टॉस्क पूरा करने पर दोगुना रुपए अकाउंट में आता है। लेकिन, इस दौरान टॉस्क के नाम पर उससे रुपए वसूले गए। उसने अन्य लोगों से रुपए लेकर लोगों को दिए। बाणगंगा पुलिस ने लवकुश विहार निवासी सूर्या लोधी की मौत के मामले में जैमनी कंपनी के ट्रेडिंग एजेंट के खिलाफ धमकाने और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में केस दर्ज किया है। सूर्या ने अक्टूबर महीने में रेलवे ट्रैक पर जाकर जान दे दी थी। पिता उसकी गुमशुदगी लिखाने थाने पहुंचे तो उन्हें बाणगंगा इलाके में एक शव मिलने की बात पुलिस ने बताई। वे मौके पर पहुंचे और शव की पहचान बेटे सूर्या के रूप में की थी। पुलिस ने भाई निलेश और पिता महेश के बयान लिए। उन्होंने बताया कि सूर्या ने स्पैप चैटिंग के माध्यम से जैमनी नाम की कंपनी में इन्वेस्ट किया था। पहली बार जब दिया गया टॉस्क पूरा कर लिया गया तो उसे दिए गए रुपयों से दुगना पैसा वापस किया गया। जिसके बाद एजेंट ने यूपीआई के माध्यम से करीबन 1 लाख रुपए जमा कराए। बाद में उसको रुपए वापस नहीं मिले। इसके कारण उसने ऑनलाइन कर्ज ले लिया था। जिसमें उसे कई तरह के कॉल आ रहे थे। इन्हीं बातों से परेशान होकर सूर्या घर से निकला ओर रेलवे ट्रैक पर सुसाइड कर लिया।

50 से ज्यादा फर्जी खाते बैंकों में खोल रखे थे भावना हत्याकांड के दोनो आरोपियों ने

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। महालक्ष्मी नगर में हुए भावना सिंह हत्याकांड के आरोपी अब सलाखों के पीछे है। पुलिस हत्या के केस के साथ आरोपियों के सट्टे के कारोबार की भी जांच कर रही है, ताकि उसके जरिये गिरोह में शामिल दूसरे सदस्य भी पकड़े जा सके।

आरोपी आशु और मुकुल ने मोबाइल की फर्जी सिम बड़े पैमाने पर खरीदी थी। उनके जरिए वो बैंकों में फर्जी खाते खोले थे, ताकि आनलाइन सट्टे का पैसा उन खातों में ट्रांसफर किया जा सके। सट्टेबाजी में उनके साथ और कौन-कौन शामिल है। इसकी पड़ताल भी पुलिस अफसर कर रहे हैं। मुकुल और आशु का वैसे पुलिस को पुराना आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला। दोनों पहले एक कंपनी में काम करते थे। साल भर पहले ही उन्होंने नौकरी छोड़कर सट्टेबाजी का काम शुरू किया था। एप के जरिए वे नए लोगों को इससे जोड़ते थे।

आरोपियों के जिन दोस्तों ने फ्लैट का रेंट एग्रीमेंट कराया था, क्या वे भी सट्टेबाजी में उनके साथ शामिल थी। इसकी भी जांच की जा रही है।

भावना इंदौर में मेकअप का कोर्स करने के लिए ग्वालियर से हत्या के तीन दिन पहले ही आई थी। वह एक होटल में रुकी थी। हत्या के एक दिन पहले भी वह आरोपियों के साथ फ्लैट में पार्टी करने गई थी। स्वस्ति राय भावना की सहेली थी, लेकिन भावना ग्वालियर के निवासी होने के कारण आशु और मुकुल को भी पहले से जानती थी,इसलिए वह पार्टी में जाने के लिए तैयार हो गई थी। पार्टी में चारों ने शराब पी थी और गाना बदलने को लेकर विवाद हुआ था। जिस कारण मुकुल ने गोली चला दी।

आईटी इंजीनियर महिला को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 8 लाख रुपए

इंदौर। क्राइम ब्रांच थाने में अन्नपूर्णा निवासी आईटी इंजीनियर कनुप्रिया गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 नवंबर 2024 को शाम 4 बजे उन्हें एक फोन कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को फेडेक्स कोरियर सर्विस का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि सिंगापुर से मुंबई भेजे गए उनके नाम के एक पार्सल में भारी मात्रा में ड्रग्स मिली है, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके बाद ठगों ने कॉल को स्काइप पर मुंबई की एक आईडी से कनेक्ट किया और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने अपना कैमरा बंद रखा और सिर्फ आवाज के जरिए महिला को डराने लगा। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया, तो उनकी तस्वीरों को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा और मीडिया में खबरें चला दी जाएंगी। इस डर से महिला ने अपनी बैंकिंग जानकारी साझा कर दी। इसके बाद ठगों ने उनके खाते से पैसे निकालने की साजिश को अंजाम दिया।

ठगों ने महिला के बैंक खाते से 16 लाख रुपए का लोन अप्रूव करवा लिया, लेकिन खाते की लिमिट सेट होने के कारण दो बार में केवल 4-4 लाख रुपए ही ट्रांसफर किए जा सके। अगले दिन महिला ने बैंक से संपर्क कर खाते को फ्रीज करवा दिया और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल, क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

भाजपा के अभ्यास वर्ग की बैठक में हंगामा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर भाजपा के अभ्यास वर्ग की बैठक में शुक्रवार को हंगामा हो गया। बताया जा रहा है कि इस बैठक में पार्षद के साथ मंडल अध्यक्ष पहुंच गए थे। जिन्हें पदाधिकारियों ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं बाद में वार्ड क्रमांक 59 की पार्षद रुपाली पेंढारकर नाराज होकर बैठक छोड़कर चली गईं।

इंदौर में इस अभ्यास वर्ग की बैठक में बीजेपी संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर भार्गव और बीजेपी प्रदेश

उपाध्यक्ष जीतू जिरती मौजूद रहे। बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक चली।

इस बैठक में बीजेपी के सभी पार्षदों को अपने अब तक के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत करना था। वार्ड 59 की पार्षद, रुपाली, को भी अपना प्रेजेंटेशन देना था। बैठक में सभी पार्षदों के प्रेजेंटेशन उनके वार्ड क्रमांक के अनुसार निर्धारित किए गए थे। चूंकि रुपाली का वार्ड 59 था, इसलिए उनका नंबर काफी देर से आने वाला था। रुपाली को घर पर कुछ जरूरी कार्य था, इसलिए उन्होंने आग्रह किया कि उनका प्रेजेंटेशन पहले ले लिया जाए। हालांकि, वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह संगठन की बैठक है, जिसमें अनुशासन महत्वपूर्ण है और सभी को अपने निर्धारित क्रम के अनुसार ही प्रेजेंटेशन देना होगा।

इससे नाराज होकर रुपाली अभ्यास वर्ग को बीच में ही छोड़कर घर चली गईं। बैठक में मौजूद पार्षदों से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रुपाली ने निगम अधिकारी कुर्मी से यह शिकायत की थी कि उनके क्षेत्र में कार्य नहीं किए जा रहे हैं। इस पर कुर्मी ने जवाब दिया कि इस संबंध में वह महापौर से बात कर लें।

बीजेपी सूत्रों ने बताया कि जब रूपाली बैठक में शामिल होने पहुंची थी तब उनकी मुलाकात महापौर भार्गव के ओएसडी निखिल कर्मी हुई। इस दौरान रूपाली ने कुर्मी से बोला कि आप हमारे काम ही नहीं करते हैं। इस पर निखिल ने बोला कि आप आपके वार्ड में होने वाले आयोजनों में महापौर के फोटो ही नहीं लगाते हैं। तब रूपाली ने कहा कि फोटो नहीं लगाएंगे तो क्या हमारे काम नहीं होंगे। तब कुर्मी ने कहा कि फोटो नहीं लगाओगे तो कैसे होंगे काम।

भाजपा का बूट कैंप: पेशेवरों को मिलेगा राजनीति और शासन में प्रवेश का अवसर

29 और 30 मार्च को भाजपा प्रदेश कार्यालय में होगा

भोपाल। भाजपा गैर-राजनीतिक पेशेवरों को सदस्य बनाने का कार्य कर रही है। इस अभियान के तहत युवा उद्यमियों, इंजीनियरों, डॉक्टरों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और बुद्धिजीवियों जैसे विभिन्न पेशेवरों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है। इस उद्देश्य को लेकर शनिवार से 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' बूट कैंप अभियान की शुरुआत की शुरुआत हो रही है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक लाख प्रोफेशनल्स को राजनीति से जोड़ने के विजन के तहत, आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स बूट कैंप भाजपा के सदस्यता अभियान का

विस्तार है। अब तक मध्यप्रदेश से 3,000 से अधिक प्रोफेशनल्स भाजपा से जुड़ चुके हैं और यह बूट कैंप इस अभियान को अगले स्तर पर ले जाने का प्रयास है। शर्मा ने बताया कि यह बूट कैंप 29 और 30 मार्च को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में सुबह 9 बजे पंजीकरण के साथ शुरू होगा। इस बूट कैंप का उद्देश्य मध्यप्रदेश के 100 चुनिंदा प्रोफेशनल्स और उद्यमियों को राजनीति और शासन के क्षेत्र में प्रवेश करने का सुनहरा अवसर प्रदान करना है।

विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि यह बूट कैंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा प्रोफेशनल्स को शासन प्रक्रिया और नीति निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से एक रणनीतिक पहल है। इसमें प्रशिक्षित करके, मार्गदर्शन और मूल्यांकन के जरिए मध्यप्रदेश भाजपा के नेताओं की अगली पीढ़ी का निर्माण किया जाएगा। यह आयोजन व्यवसायिक प्रतिभाओं को भाजपा की नेतृत्व संरचना से जोड़ने के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा।

29 मार्च को होने वाले कार्यक्रम

सुबह 10 बजे- उद्घाटन सत्र, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद उपस्थित रहेंगे। इस दौरान प्रतिभागियों को भाजपा कार्यालय का विस्तृत भ्रमण कराया जाएगा। दोपहर 1 से 5 बजे तक- प्रतिभागी विधानसभा का दौरा करेंगे, जहां प्रदेश शासन के शहरी विकास और संसदीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय लोकतंत्र और सुशासन को मजबूत करने में विधानसभा की भूमिका विषय पर व्याख्यान देंगे।

शाम 5 बजे से 7:30 बजे तक- प्रतिभागी अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान का दौरा करेंगे, जहां पूर्व सांसद और भाजपा के सुशासन प्रमुख विनय सहस्रबुद्धे सुशासन, नीति निर्माण और नए भारत के लिए भाजपा का दृष्टिकोण विषय पर व्याख्यान देंगे।

30 मार्च को होने वाले कार्यक्रम

सुबह 10 बजे- सांसद बांसुरी स्वराज मोदी जी का नेतृत्व- शासन में युवा सांसदों की भूमिका, नेतृत्व और भारत के भविष्य विषय पर सत्र को संबोधित करेंगी।

सुबह 11 बजे- सभी प्रतिभागी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और सांसद बांसुरी स्वराज के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनेंगे।

दोपहर 12 बजे- केंद्रीय रेल और सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव (वर्चुअल माध्यम से) शासन में नई क्रांति- मोदी जी के मंत्रिमंडल में युवा प्रोफेशनल का प्रभाव विषय पर व्याख्यान देंगे।

दोपहर 1 बजे- इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के साथ वकील से राजनेता बनने की यात्रा विषय पर संवाद सत्र होगा।

अपराह्न 3:15 बजे- प्रदेश शासन के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग व्यवसाय, नीति और जन सेवा के बीच के अंतर को पाटना विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

शाम 4:15 बजे- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अनिर्बान गांगुली (वर्चुअल माध्यम से) भाजपा के वैचारिक आधार और बौद्धिक विरासत पर व्याख्यान देंगे।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर जालसाजी, पांच आरोपी पकड़ाए

महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के बैंक खातों में ट्रांसफर हुई ठगी की रकम

भोपाल। साइबर जालसाज कभी लॉटरी के नाम पर तो कभी किसी निवेश के नाम पर देश की भोलीभाली जनता को ठग रहे हैं। साइबर जालसाज अपना पैंतरा भी बदलते रहते हैं और ठगी का तरीका भी। बीते महीनों से बदमाश अब शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी कर रहे हैं।

ऐसे ही एक मामले में भोपाल निवासी व्यक्ति से शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर सवा करोड़ की ठगी की गई है। घटना के आठ माह बाद भोपाल साइबर क्राइम पुलिस ने पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में बैठकर लोगों से की जा रही ठगी की राशि को ठिकाने लगाने के लिए फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह के पांच बदमाशों को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार और महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। यह आरोपी अपने-अपने क्षेत्र के लोगों को लालच देकर बैंक खाते खुलवाते और साइबर ठगी करने वाले गिरोह को बेच दते हैं। भोपाल में हुई सवा करोड़ की ठगी की राशि इन्हीं आरोपियों के द्वारा साइबर जालसाजों को बेचे गए बैंक खातों में ट्रांसफर हुई है। यह जालसाज अब तक कितने बैंक खाते बेच चुके हैं और उन बैंक खातों में कितने करोड़ का ट्रांजेक्शन हो चुका है, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है।

डीसीपी क्राइम अखिल पटेल ने

बताया कि भोपाल निवासी आनंद सिंह ने जुलाई 2024 में पुलिस में शिकायत की थी कि अप्रैल 2024 में उनके वाट्सएप नंबर को अज्ञात व्यक्ति द्वारा सी-57 नामक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। इसके बाद उस ग्रुप पर शेयर मार्केट में निवेश के लिए विज्ञापन और वेबसाइटों की लिंक आना शुरू हो गईं। एक दिन अलग-अलग मोबाइल नंबर से वाट्सएप पर निवेश के नाम पर ऑफर आए और केजी अलवर्ड नाम की महिला ने निवेश के संबंध में बात की।

उसने बताया कि मेरी कंपनी एस्स्ल कंपनी में निवेश कराकर कम समय में मोटा मुनाफा देती है। इसके बाद निवेश के लिए एसीवीवीएल ऑनलाइन नामक एप्लीकेशन की लिंक भेजी, जिसे डाउनलोड करने के बाद उपयोग करने के लिए यूजर नेम एवं पासवर्ड दिया गया था। पैसे जमा करने के लिये वाटसअप पर अकाउण्ट नंबर दिया गया। इसके बाद फरियादी ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 21 मई 2024 से पांच जुलाई 2024 तक करीब एक करोड़ 22 लाख पचास हजार रुपये निवेश के नाम पर जालसाजों द्वारा बताए गए बैंक खातों और ऑनलाइन जमा करा दिए गए।

प्रॉफिट निकालना चाहा तो पता चला ठगी हो गई

जालसाजों ने शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया था। फरियादी आनंद सिंह ने जुलाई महीने में जब प्रॉफिस निकालना चाहा तो जाजसालों ने बताया कि प्रॉफिट का 20 प्रतिशत आपको जमा करना होगा। इसके पहले विश्वास जमाने के लिए जालसाज निवेश की गई पूरी रकम भी लौटा चुके थे। इसके बाद फरियादी को ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने भोपाल साइबर क्राइम पुलिस के पास शिकायत की थी। शिकायत जांच में पता चला कि पश्चिम बंगाल के कूच बिहार और महाराष्ट्र के नागपुर के जालसाजों द्वारा बेचे गए बैंक खातों में राशि ट्रांसफर हुई है।

मोटी रकम जमा होते ही ऐप से विड्रॉल बंद कर दकते थे

डीसीपी पटेल ने बताया कि जालसाज इतने शातिर हैं कि ठगी की रकम कम रहती है तो ऐप के जरिए पैसे निकालने की सुविधा देते हैं, ताकि फरियादी को उन पर विश्वास जम जाए। विश्वास जमने के बाद फरियादी जब मोटी रकम निवेश कर देता है तो आरोपी टैक्स के नाम पर और पैसो की मांग करते थे। एप पर अधिक पैसा जमा होने पर विथड्रोल को बंद कर देते हैं। और लोगों द्वारा किए गए निवेश को अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर कर देते थे, जिसके बाद निवेश की राशि भी नहीं पता चलती थी।

यह आरोपी पकड़ाए

पुलिस ने जांच के बाद मुस्तफा मुशारफ हुसैन पिता अल्ताफ हुसैन, निहार आलम पिता जहांगीर आलम एवं आशीकुल हक पिता अमीनुर हक को कूचबिहार एवं तामस गणेश शेडमाके पिता गणेश शेडमाके, पिन्टू सुरेश सिंह बैस पिता सुरेश सिंह बैंस को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 6 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड, 12 एटीएम कार्ड, 2 चेकबुक और बैंक पासबुक सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

भोपाल सांसद और विधायक का कमिश्नर ने नहीं उठया फोन, छोड़ी बैठक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल जिला विकास समन्वय और निगरानी (दिशा) समिति की बैठक हंगामे के बीच स्थगित कर दी गई । दरअसल, पहली बार भोपाल सांसद ने बैठक बुलाई थी। बैठक में नगर निगम कमिश्नर के नहीं आने से सांसद आलोक शर्मा भड़क उठे और बैठक छोड़कर चले गए। इससे पहले सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय और विधायक भगवान दास सबनानी ने नगर निगम कमिश्नर को फोन लगाया। लेकिन, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। सांसद ने इसे भोपाल की 35 लाख जनता का अपमान बताया है। बैठक में स्मार्ट सिटी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात होनी थी। बैठक में विधायक भगवान दास सबनानी, महापौर मालती राय, जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर बाई गुर्जर, उपाध्यक्ष मोहन जाट, सीईओ इला तिवारी समेत जिला अधिकारी मौजूद थे।

इसलिए बैठक छोड़ कर चले गए सांसद

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने शुक्रवार को पहली बार जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ली। जिसमें बिजली कंपनी की समीक्षा के बाद एरिगेशन की समीक्षा हुई। इसके बाद नगर निगम की समीक्षा होनी थी इसके लिए जब नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव के बारे में पूछा गया तो बताया गया कि वे नहीं है। जब पूछा कि उनकी जगह कौन आया है तो बताया गया कि कोई नहीं है।

इसके बाद सांसद, महापौर और विधायक भगवान दास सबनानी ने नगर निगम कमिश्नर को फोन लगाया। लेकिन, उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इससे नाराज होकर सांसद आलोक शर्मा ने बैठक स्थगित कर दी।

कमिश्न बोले- बैठक की नहीं थी सूचना

मामला गरमाने के बाद भोपाल नगर-निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव ने सफाई दी है। उन्होने कहा है कि इस बैठक की मुझे कोई जानकारी नहीं थी। अगर जानकारी मिली होती तो मै खुद जाता या किसी अधिकारी को भेजता। जब फोन आया तो मै दिल्ली से आई टीम के साथ बैठक कर रहा था, इसलिए फोन नहीं देख पाया।

नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर बोला हमला - प्रदेश में अवैध खनन अपने चरम पर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्य प्रदेश में रेत के अवैध खनन को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि ड्राइवर ने कबूला कि मंत्री के बेटे के कहने पर ट्रक चला रहा था। सिंघार ने एक्स पर लिखा कि मध्यप्रदेश में अवैध खनन अपने चरम पर है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा कि मध्यप्रदेश में अवैध खनन अपने चरम पर! मुरैना में वन विभाग ने आधी रात को चंबल नदी से रेत लेकर जा रहे ट्रक को पकड़ा, जो मंत्री एदल सिंह कंसाना के बेटे बंकू भैया के प्लांट पर जा रहा था। ट्रक ड्राइवर ने खुद कबूला कि वह कई दिनों से यह अवैध काम कर रहा है और मंत्री जी के बेटे के कहने पर ट्रक चला रहा था। ये रेत माफिया अवैध कामों को करने के साथ कई गंभीर घटनाओं को भी अंजाम देते हैं। नेता प्रतिपक्ष कहां है कि शहडोल में मई 2024 में एक दुखद घटना के तहत सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) महेंद्र बागरी को रेत से भरे ट्रैक्टर ने कुचल दिया। शहडोल में ही नवंबर 2023 में एक और घटना हुई थी जिसमें पटवारी प्रशन्न सिंह को भी रेत माफिया ने ट्रैक्टर से कुचलकर मार डाला था। शाजापुर में 2023 में एक महिला खनन निरीक्षक और होमगार्ड्स पर हमला हुआ था। माफिया ने उनके साथ मारपीट की थी। इन घटनाओं से पता चलता है कि रेत माफिया सिर्फ अवैध खनन नहीं कर रहा है उन्हें न पुलिस न किसी कार्रवाई का खौफ है। BJP सरकार के संरक्षण में रेत माफिया बेखौफ चंबल नदी को लूट रहे हैं! सवाल यह है। क्या इस मामले में कोई कार्रवाई होगी या हमेशा की तरह BJP के नेता और उनके परिजन कानून से बच निकलेंगे?

वक्फ की जमीन से केवल दो-चार-दस परिवार पलते रहे इससे काम नहीं चलेगा

कांग्रेस नेता का भाजपा पर पलटवार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर मध्य प्रदेश में सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। इस पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पता नहीं काली पट्टी बांधकर दुआ कबूल होगी या नहीं। ईद के मौके पर खुश रहने का संदेश देते हुए कहा कि मिठी ईद है, मिठा खाओ, मीठा बोलो।

भोपाल की हुजूर सीट से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि वक्फ की जमीन से केवल दो-चार-दस परिवार पलते रहे। इससे काम नहीं चलेगा। करोड़ों मुसलमान जो दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, पंचर की दुकान, हाथ ठेला, कबाड़ी का धंधा कर रहे, जिनके पास शिक्षा का, ईलाज का साधन नहीं, रहने का मकान नहीं, अगर मोदी जी ने उन गरीब मुसलमानों का सोचा तो क्या गलत किया।

आज लाखों एकड़ वक्फ की जो भूमि पड़ी है उस पर गरीब मुसलमानों का मकान बनाए जाएं, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, शिक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज, अस्पताल खोले जाएं, इस बात से बड़े मुसलमान लीडर या जो मुसलमानों के नाम पर राजनीति कर अपना पेट भरते हैं, उनको थोड़ा दर्द जरूर होगा। अब जिनके पेट में दर्द होगा उन्हें हाजमा की गोली दी जाएगी पर गरीबों का कल्याण जरूर होगा।

शर्मा ने यह भी कहा कि मस्जिद, दरगाह या कब्रिस्तान का कोई भी कब्जा नहीं छीना जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मुसलमान भारत आए थे तब शुद्ध भारत हिंदू राष्ट्र था, तब मुसलमान को रहने की जगह, मस्जिद बनाने की जगह दी। खतरा उन्हें होगा जो हिंदुस्तान के खिलाफ साजिश रचेंगे। शर्मा ने कुछ मुस्लिम नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि ये नेता मुसलमानों के नाम पर अपनी नेतागिरी चला रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने जेल डीजी से की मुलाकात ईद पर खुली मुलाकात से रोक हटाने की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बीते दिन सेंट्रल जेल में ईद के मौके पर खुली मुलाकात पर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए हैं। जिसको लेकर कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने शुक्रवार को जेल डीजी से मुलाकात कर ईद पर कैदियों से खुली मुलाकात हटाने की मांग की थी। दरअसल, सेंट्रल जेल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जेल में निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसके चलते ईद पर खुली मुलाकात नहीं हो पाएगी। हालांकि, सामान्य मुलाकात की व्यवस्था जारी रहेंगी। कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा कि होली के त्योहार पर भी खुली मुलाकातें थीं। इस बार, अचानक ईद के मौके पर, रखरखाव के बहाने खुली मुलाकातों को रोक दिया गया है। यह मानव अधिकारों का उल्लंघन है। प्रबंधन को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए या ईद के दिन निर्माण कार्य रोक देना चाहिए ताकि खुली मुलाकातें हो सकें। मैं कल डीजीपी से मिलने की उम्मीद करता हूँ ताकि मैं उनसे इस फैसले को वापस लेने का अनुरोध कर सकूं। ऐसे फैसले सरकार के दबाव में लिए जा रहे हैं, जो लोगों को अपने परिवारों से मिलने से रोक रहे हैं।

शराब ठेका आवंटन में गड़बड़ी, फर्जी बैंक गारंटी के जरिए 15 करोड़ की धोखाधड़ी

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने दर्ज की प्राथमिकी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। रीवा जिले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर शराब ठेकों के आवंटन का खुलासा किया है। इस घोटाले में शराब ठेकेदारों, जिला आबकारी कार्यालय और जिला सहकारी बैंक शाखा मोरवा की मिलीभगत से करोड़ों रुपये की हेराफेरी की गई। शिकायतकर्ता अधिवक्ता बी.के. माला द्वारा 28 जून 2023 को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की थी। जांच में पाया गया कि शराब ठेकेदारों को नियमों के विरुद्ध फर्जी बैंक गारंटी के माध्यम से लाइसेंस दिए गए। जिला सहकारी बैंक शाखा मोरवा (सिंगरौली) के तत्कालीन प्रभारी शाखा प्रबंधक नागेन्द्र सिंह ने 15 करोड़ 32 लाख 23 हजार 440 रुपये की 14 फर्जी बैंक गारंटी जारी की।

इनमें से 9 बैंक गारंटी शराब ठेकेदारों को दी गईं, जिनका इस्तेमाल उन्होंने रीवा, सिंगरौली, उमरिया और सतना जिलों में शराब ठेकों के लाइसेंस प्राप्त करने के लिए किया।

नीतियों का उल्लंघन, फिर गड़बड़ी छिपाने की कोशिश मध्य प्रदेश की आबकारी नीति के अनुसार, शराब ठेकों के लिए केवल सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, निजी क्षेत्र के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक या राज्य के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से ही बैंक गारंटी ली जा सकती थी। लेकिन जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, जो भारतीय रिजर्व बैंक की अनुसूचित सूची में नहीं आता, उसकी गारंटी को स्वीकार कर लिया गया।

इसमें जिला आबकारी अधिकारी अनिल जैन की भी मिलीभगत सामने आई है। उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर इन फर्जी बैंक गारंटियों को स्वीकार किया और शराब ठेकेदारों को ठेके दिए। जब शिकायत हुई तो उन्होंने गुपचुप तरीके से लाइसेंस धारकों से अनुसूचित बैंकों की गारंटी प्राप्त कर घोटाले को छिपाने की कोशिश की।

बैंक अधिकारियों की बड़ी लापरवाही उजागर

जिला सहकारी बैंक के तीन सदस्यीय जांच दल ने भी अपनी रिपोर्ट में नागेन्द्र सिंह और शिवशंकर सिंह की संलिप्तता को उजागर किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, सीधी द्वारा 27 जून 2023 को प्रस्तुत प्रतिवेदन में बताया गया कि बैंक गारंटी जारी करने का अधिकार केवल बैंक संचालक मंडल या स्टाफ उप-समिति के पास था। काउंटर गारंटी के बिना गारंटी जारी करना नियमों का उल्लंघन था, जो कि इस मामले में किया गया।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

जांच के बाद नागेन्द्र सिंह, अनिल जैन और शराब ठेकेदारों के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के आरोप में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र) और भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7 (सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी में नामजद आरोपी

नागेन्द्र सिंह - तत्कालीन प्रभारी शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, शाखा मोरवा, सिंगरौली

नृपेन्द्र सिंह - प्रोपराइटर, मेसर्स मां लक्ष्मी इंटरप्राइजेज (वैकुण्ठपुर, हनुमना, नईगढ़ी, देवतालाब शराब दुकान समूह)

अजीत सिंह - प्रोपराइटर, मेसर्स आशा इंटरप्राइजेज (इटौरा शराब दुकान समूह)

उपेन्द्र सिंह बघेल - मऊगंज शराब दुकान समूह

आदित्य प्रताप सिंह - रायपुर कचुलियान शराब दुकान समूह

विजय बहादुर सिंह - प्रोपराइटर, मेसर्स आर्या ग्रुप (समान नाका शराब दुकान समूह)

अनिल जैन - तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी, रीवा एवं अन्य अज्ञात आरोपी।

सम्पादकीय

बद से बदतर होती जा रही क्लाइमेट चेंज से जुड़ी चुनौतियां

इस बार भारत में ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी ने इसे लेकर आगाह किया है। मौसम विभाग के मुताबिक देश के उत्तर-पश्चिमी राज्यों यानी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, दिल्ली में हीटवेव की संख्या दोगुनी हो सकती है। 2024 भारत के लिए सबसे गर्म सालों में से था लेकिन इस बार उससे भी ज्यादा गर्मी पड़ने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर हीटवेव के दिनों की संख्या दोगुनी हो जाती है तो 2025 अब तक का सबसे गर्म साल रहेगा। इन दिनों का तापमान सामान्य से 5 डिग्री या उससे भी ज्यादा हो सकता है। हीटवेव के दिनों में बढ़ोतरी के पीछे की वजह अल नीनो की स्थिति है और दूसरी सबसे बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है। इससे पहले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी एशिया-प्रशांत जलवायु रिपोर्ट-2024 के अनुसार, भारी उत्सर्जन परिदृश्य के तहत जलवायु परिवर्तन से 2070 तक एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 16.9 फीसदी का नुकसान हो सकता है, जबकि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 24.7 फीसदी तक के नुकसान होने की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि समुद्र के बढ़ते स्तर और घटती श्रम उत्पादकता नुकसान के सबसे बड़े कारण बनेंगे, जिसमें निम्न आय और कमजोर अर्थव्यवस्थाओं को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। रिपोर्ट में क्षेत्र को खतरे में डालने वाले कई हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया है कि यदि जलवायु संकट में तेजी जारी रही, तो क्षेत्र में 30 करोड़ लोग तटीय बाढ़ के खतरे में पड़ सकते हैं और 2070 तक हर साल खरबों डॉलर की तटीय संपत्ति का नुकसान हो सकता है। साल 2070 तक उच्च उत्सर्जन परिदृश्य के तहत जलवायु परिवर्तन एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद का कुल 16.9 फीसदी नुकसान पहुंचा सकता है। अधिकांश क्षेत्र 20 फीसदी से अधिक का सामना करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि विकासशील एशिया ने 2000 के बाद से दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में अधिकांश वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। जबकि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं 20वीं शताब्दी में प्रमुख जीएचजी उत्सर्जक थीं, 21वीं सदी के पहले दो दशकों में एशिया से उत्सर्जन किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ा है। इसके कारण दुनिया भर में उत्सर्जन में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 2000 में 29.4 फीसदी से बढ़कर 2021 में 45.9 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया से उत्सर्जन में लगातार वृद्धि जारी है, जिसके लिए अधिकतर चीन जिम्मेवार है, जिसने 2021 में दुनियाभर में उत्सर्जन में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट के मुताबिक इस क्षेत्र में दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी रहती है और प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीव्र और बारिश में अत्यधिक बदलाव, साथ ही साथ बढ़ते हुए चरम तूफानों के कारण इस क्षेत्र में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं अधिक होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह भारत और चीन के एक दूसरे से सटे इलाकों, जैसे पहाड़ी और ढलान वाले क्षेत्रों में सबसे अधिक स्पष्ट होगा, जहां औसत वैश्विक तापमान में 4.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के तहत भूस्खलन में 30 से-70 फीसदी तक की वृद्धि होने की आशंका जताई गई है। वहीं विश्व मौसम संगठन की ताजा रिपोर्ट भी सामने आई है जो एक बार फिर याद दिला रही है कि जीव जगत खतरनाक भविष्य की ओर कितनी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दस साल इस धरती पर अब तक के सबसे गर्म रहे हैं। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियां बद से बदतर होती जा रही हैं। आम तौर पर माना जाता है कि इस ग्रह के निरंतर अधिकाधिक गर्म होते जाने का अहसास मानवीय चेतना के लिए एक नई बात है। लेकिन यूरोप और अमेरिका में वैज्ञानिकों ने 19वीं सदी के शुरुआती सालों में ही यह समझ लिया था कि मानवीय सभ्यता के केंद्र ज्यादा गर्मी पैदा कर रहे हैं। उनके ध्यान में यह बात आ चुकी थी कि आसपास के देहाती इलाकों के मुकाबले शहरों में गर्मी ज्यादा होती है। गर्मी का मारक रूप भी तभी से दिखने लगा था। ऑस्ट्रेलिया में 1897 और लंदन में 1900 का साल गर्मी के लिहाज से खास माना गया था। कलकत्ता में 1905 में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया तो गर्मी के चलते वहां पहुंचे कई यूरोपियंस की मौत भी दर्ज की गई थी। बाद के वर्षों में हालात लगातार गंभीर ही होते चले गए। 1962 से अब तक हिमालयी ग्लेशियरों का 30 फीसदी हिस्सा पिघल चुका है। क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहे आर्थिक नुकसान भी कम गंभीर नहीं हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 8 प्रमुख फसलों- मक्का, गेहूं, चावल, सोया, केला, आलू, कोको, कॉफी - की पैदावार पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। यही नहीं, अगले 25 वर्षों में वैश्विक कमाई 19 फीसदी तक घटने की आशंका है। पॉट्सडैम इंस्टिट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट रिसर्च के मुताबिक भारत में इन्हीं वजहों से कमाई में 25 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है।

नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात!

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही यह विचारधारा अतीत बन जाएगी।

इसे संयोग कहें या कुछ और, बीते 21 मार्च को जब छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के हाथों तीस नक्सली मारे गए, उसी वक्त केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह संसद में नक्सलवाद के सफाए का ऐलान कर रहे थे। अमित शाह का कहना था कि अगले 375 दिनों में नक्सलवाद का सफाया हो जाएगा। अगर तारीखों के हिसाब से कहें तो केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक कभी लाल आतंक के नाम से कुख्यात रहे नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच नक्सलवाद आखिरी सांसे ले रहा है और जल्द ही आतंक का पर्याय रही यह विचारधारा अतीत बन जाएगी। साल 2025 के अभी तीन महीने ही गुजरे हैं, लेकिन इस बीच नक्सलवाद को लेकर जो आंकड़े सामने हैं, उनसे तो लगता यही है कि नक्सलवाद अब गिने-चुने दिनों की ही बात है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के आंकड़ों पर भरोसा करें तो बीते तीन महीनों में ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 119 नक्सली मारे जा चुके हैं। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों को यह कामयाबी सिर्फ 10 मुठभेड़ों में ही मिली हैं। बीते साल यानी 2024 में मुठभेड़ों में 239 नक्सली मारे गए थे। यानी सिर्फ सवा साल की अवधि में ही 358 नक्सली मारे जा चुके हैं। इतने नक्सलियों का मारे जाने और भारी संख्या में नक्सलियों के आत्म समर्पण करने का संकेत साफ है कि अब नक्सलियों की कमर टूटती जा रही है। शायद यही वजह है कि अमित शाह संसद में पूरे आत्मविश्वास के साथ ऐलान कर रहे हैं कि नक्सलवाद देश में आखिरी सांसे गिन रहा है।

साल 2010 के आंकड़ों के हिसाब से देश के तकरीबन छठवें हिस्से में नक्सलवाद का प्रभाव था। झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश तक नक्सलवाद फैला हुआ था। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के हिसाब से तब देश के 96 जिलों में आतंकवाद का खूनी पंजा फैला हुआ था। यूं तो हर सरकार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाती रही है, लेकिन इसमें तेजी केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद आई। नक्सलवाद को ज्यादातर सरकारें कानून और व्यवस्था का मामला मानती रहीं, उसके जिम्मेदार सामाजिक कार्यों को किनारे रखा जाता रहा। मोदी सरकार ने इसे कानून और व्यवस्था का मामला तो माना, लेकिन उसके साथ ही इसे सामाजिक नजरिए से भी देखना शुरू किया।

नक्सलवाद को लेकर कहा जाता रहा है कि जहां विकास नहीं पहुंचा, जहां शोषण की अर्थव्यवस्था रही, वहीं नक्सलवाद को पनपने का ज्यादा मौका मिला। शायद इसी वजह से नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाने की तैयारी हुई। सड़कों और रेल लाइन की पहुंच नक्सल प्रभावित इलाकों में बढ़ाने की शुरूआत हुई। बीते आठ वर्षों में 10718 करोड़ की लागत से नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 9356 किमी सड़कों का निर्माण किया गया। इन इलाकों में तैनात केंद्रीय बलों तैनात केंद्रीय बलों द्वारा स्थानीय आबादी के लिए जहां स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने शुरू हुए, वहीं उन्हें मुफ्त में जरूरी दवाएं दी जाने लगीं। इसी तरह उन इलाकों में पेयजल सुविधा बढ़ाने, सोलर लाइट की सुविधा देने के साथ ही खेती के उपकरण और बेहतर बीच आदि देने की कोशिश तेज हुई। गृहमंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2014 से अब तक इन मदों में नक्सल प्रभावित इलाकों में करीब 140 करोड़ रुपये के काम किए जा चुके हैं। डाक विभाग ने 90 नक्सलप्रभावत प्रभावित जिलों में, तकरीबन हर तीन किलोमीटर पर सिर्फ आठ वर्षों में ही 4903 नए डाकघर खोले हैं। इसी तरह अप्रैल-2015 से लेकर अब तक 30 सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिलों में 1258 नई बैंक शाखाएं और 1348 एटीएम लगाए गए हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में संचार की सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में 4080 करोड़ रुपए की लागत से 2343 मोबाइल टावर लगाए गए तो दूसरे चरण में 2210 करोड़ से 2542 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। इन इलाकों में 245 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बनाने की तैयारी है,जिनमें 121 काम शुरू कर चुके हैं।

इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि नक्सल उग्रवाद ऐसे क्षेत्रों में तेजी से पनपा, जहां गरीबी ने जड़ें जमा रखी थी। नक्सली विचार प्रभवित समूहों ने इन इलाकों के लोगों के असंतोष को खाद पानी के रूप में इस्तेमाल किया और इस तरह उग्रवाद को बढ़ावा मिला। इन समूहों को स्थानीय समर्थन मिलने के कारण सुरक्षा संस्थाओं को अपना काम करने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, परन्तु 2014 के बाद हालात बदले।

दूसरी तरफ उग्रवादी समूहों को हो रही फंडिंग पर रोक लगाने के लिए चौकसी बढ़ाई गई। इसके तहत नक्सल प्रभावित राज्यों ने जहां 22 करोड़ की संपत्ति जब्त की,वहीं प्रवर्तन निदेशालय ने तीन और एनआईए ने पांच करोड़ की संपत्ति जब्त की। नक्सली हिंसा की जांच के लिए एनआईए में अलग से एक सेक्शन बनाया गया। जिसे अब तक 55 मामलों की जांच सौंपी जा चुकी है। इसी तरह विशेष कार्रवाई के लिए विशेषज्ञ सुरक्षा बलों पर जोर दिया गया और सूचनाओं को साझा करने का नेटवर्क विकसित किया गया। नक्सलरोधी ऑपरेशन के लिए केंद्रीय और राज्यों विशेष ऑपरेशन टीमें बनाई गईं। सुरक्षा बलों और नक्सलियों पर निगाह के लिए तकनीक को बढ़ावा भी दिया गया। इसके तहत लोकेशन मोबाइल फोन और दूसरी तकनीक सुरक्षा बलों को मुहैया कराई गई। द्रोण कैमरों से नक्सलियों पर निगाहबानी शुरू हुई और कैजुअल्टी या विशेष ऑपरेशन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई।

शायद यही वजह रही कि संसद में नक्सल ऑपरेशन को लेकर गृहमंत्री अमित शाह बेहद आत्मविश्वास में नजर आ रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई ह्राकोबराह्व ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, ह्यसरेंडरह्व करो या ह्यगोलीह्व खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में ह्याफॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेसह्व स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में अमन-चैन हो और बिना खून बहाए ही लोग अपनी शिकायत लोकतांत्रिक ढंग से रख सकें। इसका विरोध शायद ही कोई करेगा। नक्सलवाद का आतंक खत्म हो, इसका स्वागत ही होना चाहिए। लेकिन व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि भविष्य में ऐसे हालात फिर ना बनें, जिससे फिर से नक्सलवाद को बढ़ने का मौका मिले। क्योंकि विचार केंद्रित एक्शन भले ही रूक जाए, विचार कभी नहीं मरते।

बता दें कि भारत नक्सलवाद की समस्या से तेजी से उबर रहा है और अब इसकी उपस्थिति सिर्फ 9 राज्यों तक सीमित रह गई है। केंद्र सरकार की ओर से संसद को बताया गया है कि छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, झारखंड, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल उन 9 राज्यों में शामिल हैं जहां नक्सलवाद का प्रभाव बचा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बताया कि वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं, लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई, लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षा बलों के हताहत होने की संख्या घटकर 509 रह गई है, जो 73 प्रतिशत की कमी है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी, 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा घटकर 1495 रह गया है, जो 70 प्रतिशत की कमी है।

नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक संघ का घर-घर संपर्क अभियान

इस वर्ष विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। शताब्दी वर्ष में संघ की बेंगलुरु में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। संघ के नेतृत्व मंडल के अलावा विचार परिवार के सभी 32 संगठनों के शीर्ष 1482 प्रतिनिधियों के आयोजन से निकला स्वर आगे संगठन का मार्गदर्शन करेगा। संघ की बैठकों के निर्णयों ने बार-बार साबित किया है कि उसका हर काम किसी लक्ष्य की खातिर होता है और तात्कालिक घटनाएं उसी हिसाब से देखी जाती हैं। बैठक में किसी ने अपनी ओर से कुंभ और बांग्लादेश को छोड़कर किसी अन्य मुद्दे पर बयान नहीं दिया क्योंकि वे मुख्य एजेंडा में शामिल नहीं थे। सारे बयान सवालों के जवाब में आए। औरंगजेब और उसकी कब्र को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने इसे अप्रासंगिक बताया, तो महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने प्रश्न किया कि जो देश की संस्कृति, सभ्यता, प्रकृति के अनुरूप काम करते हुए समृद्धि में योगदान देता है उसे आइकॉन माना जाएगा या जिसने बाहर से आकर आक्रमण करके शासन किया, हजारों लोगों पर अत्याचार किए, धर्म परिवर्तन किया उसे? एजेंडा के बारे में जानकारी देते हुए सह-सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने स्पष्ट किया कि संघ स्थापना के 100वें वर्ष की प्रतिनिधि सभा में सामाजिक प्रभाव और समाज में बदलाव लाने पर विचार-विमर्श हुआ। संघ शताब्दी के दौरान विशेष गतिविधियों पर ध्यान देगा, जिसका लक्ष्य संगठन के विस्तार और इसे सुदृढ़ करने पर होगा। इस लक्ष्य से संबंधित तीन सूत्र दिए गए। एक, आत्मचिंतन। दो, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए समर्थन के लिए आभार। तीसरा, राष्ट्र और समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को फिर समर्पित करना। दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि संघ का उद्देश्य हिंदू समाज का पुनर्जागरण रहा है, लक्ष्य हिंदू समाज को संगठित करना है। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि संघ सामाजिक परिवर्तन का बड़ा जनांदोलन है।

शताब्दी वर्ष के लिए इस सभा में सात भर के कार्यक्रम भी तय किए गए हैं, जिनमें नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक घर-घर संपर्क अभियान चलेगा। विजयादशमी पर स्वयंसेवकों के मंडल, खंड व नगर स्तर के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी मंडलों और बस्तियों में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और कर्तव्य में हरेक की भागीदारी का संदेश दिया जाएगा। बैठकें आयोजित कर सांस्कृतिक आधार और हिंदू चरित्र को गंवाए बिना आधुनिक जीवन जीने का संदेश दिया जाएगा। नागरिक संवाद आयोजित कर राष्ट्रीय दृष्टि से सही विमर्श स्थापित करने कोशिश होगी।

इस समय देश में संघ के लगभग एक करोड़ स्वयंसेवक हैं। शताब्दी वर्ष में संघ विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए 2,453 स्वयंसेवक आगे आए और विस्तारक बने। इस वर्ष आयोजित कुल 4,415 प्रारंभिक वर्गों में 2,22,962 स्वयंसेवक शामिल हुए। इनमें 1,63,000 14 से 25 आयु वर्ग, और 20 हजार से अधिक 40 वर्ष से ऊपर की आयु के थे। अरुणाचल में 1999 में काम शुरू हुआ और अब 274 शाखाएं लग रही हैं। तमिलनाडु में, जहां कार्य न के बराबर था, वहां शाखाओं की संख्या 4,000 पार कर गई है। इस बार देश के सभी मंडलों (एक मंडल में दस से बारह गांव) तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। देश को 58,981 ग्रामीण मंडलों में विभाजित किया है, जिनमें से 30,717 मंडलों में दैनिक शाखाएं और 9,200 मंडलों में साप्ताहिक मिलन चल रहे हैं। संघ आज सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में प्रभावी रूप से सक्रिय है, जिनमें करीब 90 हजार गतिविधियां चल रही हैं। सामाजिक समरसता के लिए उन क्षेत्रों में विशेष काम किया जा रहा है, जहां अत्यधिक छुआछूत है।

शताब्दी वर्ष के संकल्प का शीर्षक है, विश्व शांति और समृद्धि के लिए समरस और संगठित हिंदू समाज का निर्माण। संगठित, चरित्र संपन्न और सामर्थ्यवान राष्ट्र के रूप में प्राचीन संस्कृति और समृद्ध परंपराओं के चलते सौहार्दपूर्ण विश्व का निर्माण करने के लिए भारत के पास अनुभवजन्य ज्ञान है। प्रतिनिधि सभा ने ऐसे भारत का संकल्प लिया, जिसकी दुनिया मिसाल दे।

संघ की आलोचनाओं से परे हटकर विचार करिए। हिंदुत्व का सर्वसमावेशी विचार और उसके अनुरूप भारत सहित संपूर्ण विश्व के कल्याण के लिए कार्यक्रम का संकल्प सही दिशा में कार्य करने से मिली उपलब्धियों के आत्मविश्वास के बिना संभव नहीं। इसमें मनुष्य को मानसिक और शारीरिक रूप से विकसित करते हुए उसको अपने परिवार, समाज, देश और फिर विश्व कल्याण तक ले जाना, उस दृष्टि से राष्ट्र निर्माण जैसे व्यापक लक्ष्य शताब्दी वर्ष में सामने रखे गए हैं।

रील की बजाय रीयल जिंदगी जीने की दें सीख

फोन हाथ में आया नहीं कि छोटे-बड़े रील्स को देखना शुरू कर देते हैं। यह देखना लगातार जारी रहता है। कोई भी एक-दो देखने के बाद नहीं रुकता। इन्हें खीझ तब आती है जब समय की सुई आगे भागती है। बेवजह सही कामों में लगने वाला समय जाया हो जाता है। दरअसल आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर रील्स एक प्रमुख ट्रेंड बन गया है। ये शॉर्ट वीडियो बच्चों को आकर्षित करते हैं, लेकिन इनका मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अधिकांश रील्स में अकसर ऐसी सामग्री होती है, जो आदर्शवादी, काल्पनिक या अत्यधिक उत्तेजक होती है, जो बच्चों की मानसिक स्थिति पर असर डाल सकती है। इसे एकदम से बंद नहीं करें। बेहतर है अपनी देख-रेख में बच्चे को रील्स देखने दें। अधिकांश रील्स में जो जीवनशैली दिखाई जाती है, वह बच्चों को अपनी वास्तविकता से असंतुष्ट कर सकती है। वे महसूस कर सकते हैं कि उनके पास जो है वह न तो आकर्षक और न ही महत्वपूर्ण। इसका असर उनकी संवेदनाओं और आत्म-विश्वास पर पड़ता है। जब बच्चे रील्स में दूसरों को शानदार जीवन जीते हुए देखते हैं, तो वे अपने जीवन को असंतोषजनक महसूस करने लगते हैं। दरअसल, वे रील और रियल के बीच का सूक्ष्म भेद नहीं जान पाते हैं। इससे बच्चों व किशोरों की मानसिक स्थिति पर असर पड़ता है और उनमें चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्कूल से घर आते ही बच्चे फोन में रील्स देखते हैं। रात में जब सब सोने जाते हैं, तब फोन को लेकर चिपक जाते हैं। यह समय की बर्बादी हैं। उन्हें इस बात का अहसास तक नहीं होता। इस आदत से उनका नींद का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। नतीजतन बच्चे चिड़चिड़े हो सकते हैं और उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। आपका बच्चा भी दिन-रात फोन में रील्स देखता है, तो उसे ऐसा नहीं करने दें। लगातार ऐसा करने से दृष्टि संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। लगातार मोबाइल या टैबलेट की स्क्रीन पर नजरें रखने से आंखों में थकावट, जलन और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हर पल रील्स देखने से बच्चों की शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। कारण यह कि बच्चा एक जगह बैठकर सिर्फ फोन में रील्स ही देखता है। ऐसे में बच्चे खेलों से दूर हो जाते हैं, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। रील्स में दिखाए गए हास्य और चुटकुलों की वजह से बच्चों में दूसरों के प्रति सहानुभूति की कमी हो सकती है। वे यह समझने में असमर्थ हो सकते हैं कि मजाक या टिप्पणियों का किसी के मन पर क्या असर हो सकता है।

रील्स में दिखाए गए ट्रेंड्स और लाइफस्टाइल के कारण बच्चों पर एक सामाजिक दबाव महसूस हो सकता है। वे यह महसूस कर सकते हैं कि अगर वे इन ट्रेंड्स का पालन नहीं करेंगे तो वे समाज से बाहर हो जाएंगे, जिससे उनकी मानसिक स्थिति पर नकारात्मक असर हो सकता है। रील्स का निरंतर सेवन बच्चों की एकाग्रता की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत से उनका ध्यान भटकता रहता है, जिससे वे पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाते। बच्चों का अधिक समय रील्स देखने में बर्बाद हो जाता है, जिससे वे अन्य महत्वपूर्ण और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा नहीं ले पाते, जैसे किताबें पढ़ना, नई चीजें सीखना या खेलों में भाग लेना।

के. एल. जनता इंटर कॉलेज देवबंद का वार्षिक परीक्षा परिणाम हुआ घोषित

सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर)। के. एल. जनता इंटर कॉलेज देवबंद में आज वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें कक्षा 6 के प्रियांशु भटनागर, कु. कनक देवी, श्रेष्ठ धीमान ने तथा कक्षा 7 A के आयुष कुमार, कु उर्वशी,हिमांशु तथा 7B के वंश राणा, कु आयुषी, युवराज तथा कक्षा 8 A के सागर, आर्यन, कु जेविका कक्षा 8B के सत्यम, अब्दुल, कु पलक, कक्षा 9 A की कु छवि, कु आयुषी, कु दीपिका कक्षा 9 B की कु सितारा, तेजस,कु पूर्वा कक्षा 9 सी के उदय प्रताप सिंह, गुरमीत, कु खुशी कक्षा 11 A से कु उत्कर्ष रानी, कु मानी, नादिस कक्षा 11 B के अकुल, कु राशि, सागर पुंडीर कक्षा 11 C के गौरव पांचाल, मोहित, अर्जुन ने अपनी-अपनी कक्षा में क्रमश: प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में कक्षा 6 के प्रियांशु भटनागर ने 96.78% अंक प्राप्त करके तथा सीनियर वर्ग में कक्षा 9 C के उदय प्रताप सिंह ने 91.27% अंक प्राप्त करके विद्यालय को टॉप किया। विद्यालय का रिजल्ट 98.26% रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई दी तथा पुरस्कार वितरण किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार ने सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए नवीन सत्र के लिए सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संजय धीमान, बलदेव राज, अनुज, नर्मदा त्यागी, शिखा, स्वाति, गोरों, अर्चना, सुमन, ईश्वर सिंह, विनय कुमार, भरत गोयल, संदीप कुमार, रोहित, ओम कुमार, आलोक कुमार, आदेश, प्रेरणा, पुष्पांजलि, नीरज, उपासना, पूजा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अलविदा जुमे पर देवबंद में भारी संख्या में रोजदारों ने की जुमे की नमाज अदा

अलविदा जुम्मे को लेकर देवबंद में पुलिस-प्रशासन रहा अलर्ट

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, रमजान उल मुबारक के अलविदा जुमा पर देवबंद में रोजदारों की भारी भीड़ ने जुमे की नमाज अदा की। शुक्रवार को अलविदा जुम्मे को लेकर देवबंद में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सुबह से ही खानकाह चौक से लेकर जामा मस्जिद तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। आला अधिकारी भी मौके पर रहे। खानकाह चौक से लेकर मस्जिद रशीद तक भारी संख्या में पुलिस बल के साथ एसपी देहात सागर जैन, देवबंद कोतवाली प्रभारी बीनू चौधरी के अलावा एसडीएम देवबंद युवराज सिंह और सीओ देवबंद रविकांत पाराशर भी मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान देहात के साथ-साथ देवबंद से भारी संख्या में लोगों ने तमाम बड़ी मस्जिदों और अपने मोहल्ले की मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा की। वहीं काफी संख्या में लोगों ने मस्जिद रशीद में पहुंचकर अलविदा जुमे की नमाज अदा की और मुल्क में अमन शांति की दुआएं की। वहीं कई लोगों ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड की अपील पर अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर सरकार द्वारा लाए गए वक्फ संशोधन बिल का विरोध जताया। उधर, नगर पालिका की ओर से भी अलविदा जुम्मे को लेकर साफ-सफाई का इंतजाम किया गया था। बड़ी मस्जिदों के आसपास चूने का छिड़काव करके सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया गया।

लालबर्रा थाना में शांति समिति की बैठक सम्पन्न,त्योहारों को शांतिपूर्वक एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील

सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी से व्यवहार करें,अफवाहों से रहें सतर्क – टीआई सुनील चतुर्वेदी

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, आगामी त्योहारों को लेकर शुक्रवार को लालबर्रा थाने में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा की प्रमुख उपस्थिति एवं थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी की अध?यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों,जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। बैठक में मुख्य रूप से ईद-उल-फितर,रामनवमी, आंबेडकर जयंती,झूलेलाल जयंती,हनुमान जन्मोत्सव सहित अन्य आने वाले त्योहारों को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने,साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और प्रशासन के निर्देशों के पालन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। थाना प्रभारी श्री सुनील चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि त्योहार हमें आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हैं। हमें इन अवसरों पर समाज में सौहार्द बनाए रखना है और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना है। उन्होंने विशेष रूप से सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स का ज़िक्र करते हुए कहा कि कृपया किसी भी धर्म या समुदाय के खिलाफ कोई भी आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट न करें। सोशल मीडिया पर कोई भी संदेश फारवर्ड करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली कोई भी बात ना लिखें और अफवाहों से बचें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि या जानकारी मिलती है तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। थाना प्रभारी ने लोगों को फ्रॉड कंपनियों एवं साइबर ठगी से भी सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निवेश या लॉटरी के नाम पर आम जनता को धोखा देने की कोशिश करते हैं। ऐसे किसी भी फोन कॉल, लिंक या मैसेज पर विश्वास ना करें और कोई भी वित्तीय लेन-देन करने से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें। पुलिस हमेशा आपकी सहायता के लिए तैयार है। नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा ने भी सभी नागरिकों से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उत्सव मनाने की अपील की और कहा कि लालबर्रा क्षेत्र में सदियों से सभी वर्ग के लोग मिलजुलकर त्यौहार मनाते आए हैं, यह परंपरा आगे भी कायम रहनी चाहिए। इस बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य नागरिकों में पत्रकार मतीन रजा,शरद धानेश्वर एवं विजय रजक तथा ग्राम पंचायत पांढ़रवानी सरपंच श्री अनीश खान,गणेशपुर के सरपंच हेमंत कटरे, ग्राम पंचायत देवरी के पूर्व सरपंच मोहपत हरिनखेड़े, टेंगनी के उपसरपंच प्रदीप ढांडे, ग्राम पंचायत अमोली के पूर्व उपसरपंच राकेश अवधिया एवं उपसरपंच अफसर कुरैशी, ग्राम पंचायत बेलगांव के सरपंच अरविंद पंचेश्वर, इसके अतिरिक्त रामहर्षित सोलंकी, नितिन साखला, शैलेष केकती, पवन नामदेव, संतोष पांडे, सोहनसिंह इड़पाची, ताराचंद कावड़े, संजय अग्रवाल (खंड संघ चालक, ऋस्स), प्रशांत जैन, मुकेश शर्मा, मोहम्मद अय्यूब भारती, मोहित जेवरानी, राकेश फबवानी, गिरीश पाठक सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देंगे एवं किसी भी स्थिति में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई एवं सभी उपस्थितजनों ने एकजुट होकर त्यौहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का संकल्प लिया।

नई पीढ़ी के शासकीय सेवकों को पुराने शासकीय सेवकों से सीखने की आवश्यकता है - कलेक्टर सुश्री बाफना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, पुराने शासकीय सेवकों में जितनी कार्य के प्रति निष्ठा और लगन है, उतनी नई पीढ़ी में नहीं देखी जा रही है। नई पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी से सीखने की आवश्यकता है। यह बात आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने कलेक्टर कार्यालय के अधीक्षक श्री रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति पर आयोजित हुए कार्यक्रम में कही। इस मौके पर जिला कोषालय की सेवानिवृत्त हुई सहायक ग्रेड-2 श्रीमती इमरती देवी अटेरिया का भी पुष्प गुच्छ से सम्मान किया गया। कलेक्टर सुश्री बाफना ने सेवानिवृत्त हुए श्री श्रीवास्तव को शुभकमनाएं देते हुए कहा कि उनका कार्य के प्रति समर्पण और व्यक्तित्व सराहनीय रहा है। नई पीढ़ी को उनसे सीखने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने कहा कि श्री श्रीवास्तव सेवानिवृत्ति के उपरांत सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में पर्याप्त समय दें और प्रसन्न रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी ने भी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, जिला कोषालय अधिकारी श्री जीएल गुवाटिया, लोकसेवा प्रबंधक श्री आशय श्रीवास्तव, सहायक कोषालय अधिकारी श्री किशोर पाटीदार व श्री भारत भूषण श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय के शासकीय सेवकगण भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अधीक्षक श्री सुरेशचन्द्र नागरा ने किया।

बिजुरी पुलिस द्वारा अवैद्य शराब परिवहन कर बिक्री करने वालो पर कार्यवाही कर किया 63 लीटर अवैद्य शराब जप्त कीमती 31750 रुपये

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोती उर रहमान जी द्वारा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन के लिये श्री मान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री इसरार मंसूरी जी द्वारा नियमित रूप से निर्देशित किया जाता है वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए बिजुरी पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया जो दिनांक 28-03-25 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि बिजुरी मे बिजली आफिस से कबाडी मोहल्ले के रास्ते से दो व्यक्ति अवैद्य रुप से देशी व अंग्रजी शराब के क्वाटर ले जा रहे है] जिस पर थाना बिजुरी से टीम गठित कर श्रेड कार्यवाही करते हुये आरोपी 1- गोपाल साहू पिता धरमदास साहू उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 कबाडी मोहल्ला बिजुरी 2- रविराज नामदेव पिता दशरथ प्रसाद नामदेव उम्र 27 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 10 सीएलके स्कूल के पास लोहसरा बिजुरी को पकड गया जिनके पास से कुल 63 लीटर अवैद्य देशी एवं अंग्रेजी शराब कीमती 31750 रुपये की जप्त की जाकर थाना बिजुरी मे अपराध 93/25 धारा 34(2) आब एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है।
उक्त कार्यवाही मे उनि मानिम टोप्पो] प्रआर. राजेन्द्र अहिरवार] आर. 351 सुनील यादव] आर. 320 अभिषेक शर्मा] आर. 502 विश्वजीत मिश्रा] आर. 285 कर्मजीत सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

थाना कोतमा पुलिस व्दारा आटो में 60 लीटर अवैध शराब परिवहन करते तीन आरोपियों को किया गिरफतार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर व्दारा सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ गांजा , शराब, परिवहन एवं बिक्री करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे,इसी अनुक्रम में श्रीमान् के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर, एसडीओपी महोदय कोतमा के मार्गदर्शन मे दिनांक 28.03.2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक आटो में अवैध शराब बस स्टैंड शराब दुकान कोतमा से लोड कर तीन व्यक्ति बंजारा तिराहा तरफ आने वाले है, तत्काल सूचना की तस्दीक हेतु बताये स्थान पर पुलिस टीम पहुंच कर देखी तो बस स्टैंड तरफ से एक आटो आते दिखी जो पुलिस को देखकर केशवाही रोड तरफ भागने लगी जिसका पीछा कर अंसारी गैरेज के पास कोतमा में रेड कार्यवाही कर आटो क्र. MP-65- क्र-1094 की बीच वाली सीट में एक कार्टून खुला 04 प्लास्टिट कोटेड सीलबंद पावर 10000 केन वीयर प्रत्येक पैकेट में 06 नग, प्रत्येक केन 500 द्रव्य कुल 24 एवं 04 कार्टून प्रत्येक कार्टून में 24 नग पावर 10000 वीयर ,कुल मात्रा 120 नग बीयर 60 लीटर कीमती लगभग 12000 रूपये एवं एक अदद आटो कीमती दो लाख रूपये कुल मशरूका 2,12000 रूपये का आरोपी 01. गण शेखर सिंह पिता लक्ष्मी सिंह उम्र 25 वर्ष नि. साहपुर महला थाना ओबरा जिला औरंगाबाद (बिहार) (सेल्समेन) 02. दीपक गुप्ता पिता गेंदलाल गुप्ता उम्र 24 वर्ष निवासी वार्ड नं. 03 बदरा थाना भालूमाड़ा जिला अनूपपुर (म. प्र.) (आटो चालक) तथा 03. प्रकाश कोल पिता लालराम कोल उम्र 19 वर्ष नि. बदरा थाना भालूमाड़ा जिला अनूपपुर(हेल्फर) के कब्जे से जप्त कर आरोपी गणो को गिरफ्तार कर आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया जाकर विवेचना में लिया गया है,
उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरी. सुन्द्रेश सिंह ,सउनि बृजेश कुमार पाण्डेय ,प्र.आर. 119 कपिल उईके ,प्र.आर.78 सपन नामदेव, आर.मुमताज, आर.485 शुभम तिवारी आर. जितेंद्र मंडलोई की महत्वपूर्ण भूमिका रही

आमादांड खदान में बिना पानी चल रहा प्रसाधन

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, सिविल इंजीनियर को हुई भूलने की बीमारी पानी टंकी तो लगाई पर पाइप लाइन प्रसाधन तक पहुंचाना भूल गए। अनुपपुर जिले के जमुना कोतमा एस ई सी एल अंतर्गत आने वाली आमादांड खदान में जनसुविधा हेतु लाखों की लागत से लगभग छ: महीने पहले प्रसाधन का निर्माण कराया गया जिसका भुगतान भी हो गया पर सिविल इंजीनियर महोदय ने एक बार इस लाखों की लागत से बने प्रसाधन की सुध भी नहीं ली की इसका निर्माण पूरा हुआ भी या नहीं ये इस्तेमाल लायक है भी या नहीं प्रसाधन में पानी की टंकी तो लगाई गई पर पाइप लाइन टंकी से प्रसाधन तक लाना ठेकेदार एवं सिविल इंजीनियर महोदय भूल गए ऐसा नहीं कि टंकी में पानी चढ़ने की व्यवस्था न हो टंकी में पानी भर के दिन भर बहता रहता है पर वो किसी उपयोग में नहीं आ पाता क्यूंकि टंकी में पानी पहुंचाने के लिए तो पाइप लगी है पर टंकी से प्रसाधन तक पानी लाने के लिए कोई पाइप लगाई ही नहीं गई या लगाई गई तो निकाल ली गई ये तो ठेकेदार और सिविल इंजीनियर महोदय ही बता सकते है पर जब सिविल इंजीनियर महोदय से इस बारे में जानकारी चाही गई तो उन्होंने इस प्रसाधन का निर्माण कब हुआ कितने की लगत से हुआ ये मुझे याद नहीं है जैसा जबाव दिया इसलिए लगता है कि सिविल इंजीनियर महोदय को भूलने की बीमारी हो गई है ,इस प्रसाधन का निर्माण भी इस स्तर का है जिसे देखने मात्र से आपको इसमें हुए कमीशन के खेल का अंदाजा लग जाएगा

महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ग्राम कातरखेड़ा थाना डही घटनास्थल पर पहुंचे

धार

महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह धार द्वारा आज धार जिला मुख्यालय के सबसे दुरस्थ, दुर्गम ग्राम कातरखेडा थाना डही में डकैती के घटना स्थल पर पहुंचकर किया निरीक्षण, फरियादी से रुबरु चर्चा करते हुए अज्ञात आरोपियो की शीघ्र पतारसी व कडी कार्यवाही करने हेतु पुलिस अधिकारी/कर्मचारियो को दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश। थाना डही क्षेत्रांतर्गत अज्ञात बदमाशो द्वारा ग्राम पटेलपुरा कातरखेडा के बाकसिंह खरते के घर पर डकैती की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा आज डही क्षेत्रांतर्गत घटनास्थल का बारिकी से निरीक्षण किया गया तथा फरियादी से घटना के संबंध में रुबरु चर्चा की साथ ही अज्ञात आरोपियो को शीघ्र गिरफ्तार कर उन पर कडी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा घटना में सम्मिलित अज्ञात बदमाशो की शीघ्र पतारसी कर उनके विरूद्ध कडी कार्यवाही हेतु एस.डी.ओ.पी. कुक्षी श्री सुनिल गुप्ता, थाना प्रभारी डही उनि दिलिप कुमार तडेवला, थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक राजेश यादव व सायबर शाखा प्रभारी उनि प्रशांत गुंजाल व उनकी सायबर टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही उक्त वारदात करने वाले गिरोह को पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपराध से अपनी दूरिया बना ले, वरना उन पर सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

श्री राम नवमी शोभायात्रा को लेकर बैठक संपन्न

धार

धार - प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री रामनवमी शोभायात्रा को लेकर सर्व हिन्दू समाज द्वारा एक वृहद बैठक का आयोजन रखा गया जिसमे सभी राम भक्तो ने सर्व सम्मति से शोभायात्रा की रूप रेखा तय की ।

बैठक में अयोध्या जी से पधारे हनुमानगढ़ी महंत श्री सौरभ दास जी महाराज मुख्य रूप से उपस्थित थे । बैठक की शुरुआत सर्वप्रथम भगवान श्री रामचंद्र जी एवं संकटमोचन हनुमान जी महाराज की विधि-विधान से पूजन अर्चना कर की गई इस अवसर पर उपस्थित सभी राम भक्तो ने शोभायात्रा को सफल बनाने हेतु अपने-अपने विचार रखें ओर निर्णय लिया गया कि इस वर्ष रामनवमी पर्व दिनाँक 6 अप्रैल रविवार शाम 6 बजे शोभायात्रा की शुरुआत प्रतिवर्ष अनुसार नगर के आन्देश्वर मंदिर एम जी रोड (राजवाड़ा) से हरिनाम संकीर्तन रामायण मंडल द्वारा भगवान राम जी की आरती कर प्रारंभ होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई. निकलेगी ,जिसमे मुख्य रूप से हर्बोला बंधु अंकित पाटीदार एवं अंकित शर्मा अपने भजनो की रास्ते भर प्रस्तुति देंगे , वही शोभायात्रा में 14 फिट की राम जी की प्रतिमा हैदराबाद के कलाकारों द्वारा निर्मित मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी साथ ही 11 फीट की विशालकाय हनुमान जी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रहेगी ।

शोभायात्रा मे अपनी परम्पराओ का निर्वहन करते श्री हरिनाम संकीर्तन रामनारायण मंडल भजन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी सभी रामभक्तो ने अधिक से अधिक संख्या में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए सभी

सनातनी हिन्दूओ से आग्रह किया हे ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के 532 श्रमिक परिवारों के खाते में 11 करोड़ 61 लाख रूपये की राशि अंतरित की

देवास

प्रदेश में संबल योजना के 23 हजार 162 प्रकरणों में श्रमिक परिवारों को 505 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 23 हजार 162 प्रकरणों में 505 करोड़ रूपये सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में अंतरित किये। जिसमें देवास जिले के 532 श्रमिक परिवारों के खाते में 11 करोड़ 61 लाख रूपये की राशि अंतरित की गई। देवास के एनआईसी कक्ष में राज्यश स्तोरीय कार्यक्रम को देखा व सुना गया। इस दौरान देवास के एनआईसी कक्ष में लेबर ऑफिसर श्री शेलेंद्र सिंह सोलंकी एवं हितग्राहीगण उपस्थित थे। नगर निगम देवास के सभाकक्ष में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महापौर प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल, नेता सत्तापक्ष श्री मनीष सेन, पार्षद श्री शीतल गेहलोद, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। नगर निगम में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। योजना में अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपये दिये जाते हैं, साथ ही श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिये सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। संबल योजना में श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है वास्तविक अर्थों में यह श्रमिकों का संबल है। प्रदेश की यह योजना देश के सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना में पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, अब उन्हें भी 5 लाख रूपये वार्षिक नि:शुल्क चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार ने योजना प्रारंभ 1 अप्रैल 2018 से अब तक 1 करोड़ 74 लाख श्रमिकों का संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन किया है। श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। श्रम विभाग योजनांतर्गत वर्तमान तक 06 लाख 58 हजार से अधिक प्रकरणों में राशि रूपये 5 हजार 927 करोड़ से अधिक के हितलाभ दिये जा चुके है।

व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के सदस्य द्वारा जिले में संचालित पायलट प्रोजेक्ट की सराहना की

विदिशा व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के सदस्य श्री राजेश शर्मा द्वारा आज विदिशा जिले में भ्रमण कर व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के तहत जिले में संचालित पायलट प्रोजेक्ट के क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा की है। इसके उपरांत उन्होंने कलेक्टर श्री रौशन सिंह से उनके चैम्बर में पहुंचकर पायलेट प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन कार्यों की प्रशंसा जाहिर करते हुए कार्यों की सराहना भी की। व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के सदस्य श्री राजेश शर्मा एवं राज्य स्तरीय सलाहकार श्री राज कुमार राय द्वारा इस पायलेट प्रोजेक्ट तहत क्रियान्वित कार्यो की फील्ड में पहुंचकर समीक्षा कर क्रास मॉनिटरिंग की है। उन्होंने सर्व प्रथम विदिशा के ग्राम हसनाबाद में पहुंचकर सेवाएं दे रही श्रीमती हेमलता शर्मा से संपर्क कर उनके द्वारा गोद लिए गए शिशु मानविक की माता श्रीमती नेहा पिता गौरव रैकवार एवं आशा कार्यकर्ता सुनीता रैकवार से उनके घर पर जाकर शिशु की निगरानी की स्थिति एवं माता के प्रोटीन सेवन की जानकारी ली। इस दौरान शिशु के स्वास्थ्य में बहुत अच्छी वृद्धि देखी गई। माता पिता द्वारा हेमलता के कार्य एवं सहयोग की सराहना की। इसके बाद आंगनवाड़ी सुपरवाइजर श्रीमती नीतू सोनी के साथ करैया खेड़ा की आंगनवाड़ी क्रमांक 133 की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती नीतू मालवीय से संपर्क कर उनके द्वारा गोद लिए गए शिशु मोक्षित के माता पिता एवं गर्भवती महिला श्रीमती ज्योति से उनके खानपान, पोषण आहार, प्रोटीन सेवन, स्तनपान पर चर्चा कर शिशु की वृद्धि निगरानी की जानकारी प्राप्त की। माता काफी अच्छा उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन सेवन कर रही है एवं पूर्ण रूप से स्वस्थ्य है एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक पाई गई। इसके पश्चात उनके द्वारा जिला चिकित्सालय पहुंचकर प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुनीत माहेश्वरी, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ आर एल सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ डीके शर्मा, प्रभारी मीडिया अधिकारी श्री बी एस दांगी के साथ फील्ड की गतिविधियों की सराहना करते हुए जानकारी पर चर्चा की। जिले में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन आईआईटी बॉम्बे के सहयोग संचालित है। इस पायलट प्रोजेक्ट में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदाय कर मातृ, शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण को कम करने के उद्देश्य से दस गर्भ वती महिलाओं एवं बच्चों को गोद लेकर उनकी स्तनपान का सही तरीका,विकास निगरानी, पोषण आहार की प्रोटोकॉल अनुसार सलाह देकर वजन एवं लंबाई की जांच हेतु घर-घर विजिट करते हुए जांच कर क्यूव्वेल ऐप में एंट्री कराया जा रही है। जिसकी निगरानी आईआई टी बॉम्बे एवं जिले में नियुक्त किए गए मॉनीटरों द्वारा की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 31 मार्च को महेश्वर में कार्यक्रम प्रस्तावित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 31 मार्च को महेश्वर में देवी अहिल्या बाई होल्कर के त्रि-शताब्दी जन्म जयंती के अवसर पर संस्कृति विभाग मप्र शासन तथा विश्व मांगल्य सभा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाट्य कार्यक्रम में आगमन प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के महेश्वर में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर खरगोन जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर भव्या मितल एवं पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा द्वारा अधिकारियों के साथ 28 मार्च को महेश्वर के हेलीपेड, किला परिसर एवं सभा स्थल का निरीक्षण किया गया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर मितल ने सभी अधिकारियों को अलग-अलग दायित्व सौपे हैं और उनका जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में विभिन्न जिलों के आवेदकों की सुनी समस्याएं

पूरी कार्ययोजना बनाकर जल गंगा संवर्धन अभियान चलाएं - मुख्यमंत्री
ई आफिस व्यवस्था 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से लागू करें - मुख्य सचिव

सीधी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान ऑनलाइन में विभिन्न जिलों के आवेदकों की समस्याएं सुनी। रीवा जिले के आवेदक की प्राकृतिक दुर्घटना में भैंस के मरने पर राहत राशि के प्रकरण की सुनवाई करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को समय पर राहत राशि दें। इसमें देरी करने वाले पर कड़ी कार्यवाही करें। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार को निलंबित करें। राहत राशि के प्रकरण एक माह में निराकृत करें। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि आवेदक को पशु हानि की राहत राशि का भुगतान कर दिया गया है। प्रकरण देर से प्रस्तुत करने वाले नायब नाजिर को निलंबित कर दिया गया है। मऊगंज जिले के आवेदक सुनील साहू ने बताया कि उनकी बस्ती में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से डेढ़ वर्ष से पानी नहीं आ रहा है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल बहुत गंभीर समस्या है। पेयजल से जुड़ी हर कठिनाई को दूर करके आमजनता को पेयजल उपलब्ध कराएं। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि पाइपलाइन में सुधार करा दिया गया है। प्रकरण में लापरवाही बरतने पर प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मऊगंज महेश पटेल को निलंबित कर दिया गया है। इसी प्रकरण में लापरवाही बरतने पर उपयंत्री राजेश प्रताप सिंह को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त निर्माण करने वाली एजेंसी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिंगरौली जिले में आवेदिका के छात्रवृत्ति प्रकरण की सुनवाई करते हुए समय पर छात्रवृत्ति भुगतान के निर्देश दिए। प्रकरण के संबंध में कलेक्टर सिंगरौली चन्द्रशेखर शुक्ला ने बताया कि छात्रवृत्ति के पोर्टल में अनुसूचित जनजाति की छात्रा की जानकारी में सामान्य वर्ग दर्ज कर दिया गया था। इस गलती के सुधार के लिए प्राचार्य तथा संकुल प्राचार्य द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग को लगातार पत्र लिखे गए। पोर्टल बंद होने के कारण इसमें सुधार संभव नहीं हो सका। पोर्टल खुलने पर गलती में सुधार करके तीन वर्ष की छात्रवृत्ति की राशि का भुगतान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने समाधान आनलाइन में सिवनी, सीहोर, विदिशा, ग्वालियर, छतरपुर, खण्डवा, छिंदवाड़ा, दतिया तथा गुना जिले के आवेदकों के प्रकरणों की भी सुनवाई की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की पूरी कार्ययोजना बनाकर प्रदेश भर में जल संरक्षण और जल संवर्धन के कार्य कराएं। अभियान में आमजनता की भी पूरी भागीदारी सुनिश्चित करें। आगामी 30 मार्च को विक्रम नववर्ष गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा। यह महज नववर्ष की शुरूआत नहीं है। यह काल गणना की प्रथम तिथि है। विक्रम संवत नक्षत्रीय गणना राशियों तथा वैदिक गणना को समाहित किए हुए है। इन सबकी चर्चा 30 मार्च के कार्यक्रम में होनी चाहिए। विक्रम नववर्ष सूर्य उपासना से भी जुड़ा हुआ है। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि ई आफिस की व्यवस्था 30 अप्रैल तक हरहाल में लागू कर दें। इसके बाद कोई भी फाइल भौतिक रूप से एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी के पास नहीं जाएगी। ई आफिस से प्रशासनिक कार्यों में समय की बचत होने के साथ दक्षता और गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक अपने जिले की कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करें। अपने सूचना तंत्र को सुदृढ़ रखें। राजस्व अधिकारी रोस्टर के अनुसार अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण करें। आगामी गर्मियों में पेयजल की समुचित व्यवस्था हर बसाहट में करें। पूरे प्रदेश में इन गर्मियों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दें कि अगले वर्ष कहीं भी पेयजल परिवहन की नौबत न आए। सभी अधिकारी वर्ष 2025-26 के लिए विभागीय योजनाओं के लक्ष्य 15 अप्रैल तक निर्धारित कर दें। समाधान ऑनलाइन तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष ध्यान दें। लंबित प्रकरणों में संवेदनशीलता और तत्परता से कार्यवाही करें। सभी कलेक्टर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा करें। कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंशुमन राज, वनमंडलाधिकारी प्रीति अहिरवार, उप संचालक संजय टाइगर रिजर्व राजेश कन्ना टी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी, डीएसपी गायत्री तिवारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भण्डेड़ी जल प्रदाय योजना के कॉन्ट्रेक्टर को ब्लैक लिस्टेड करने और उस पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश

शाजापुर

कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर विकास कार्यों और गेहूं उपार्जन के कार्य का निरीक्षण किया

जनपद पंचायत मो. बड़ोदिया के ग्राम भण्डेड़ी में जल जीवन मिशन की जल प्रदाय योजना के क्रियान्वयन के लिए नियुक्त कॉन्ट्रेक्टर मोहित बिल्डकॉन के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने तथा ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश आज कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने ग्राम भण्डेड़ी की जल प्रदाय योजना के निरीक्षण के दौरान दिये। कलेक्टर ने इस ग्राम की जल प्रदाय योजना की दल बनाकर गहन जाँच करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने आज विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम भण्डेड़ी में ग्रामीणों ने जल प्रदाय योजना की अनेक खामियां कलेक्टर को बताई। कलेक्टर ने ग्रामीणों की शिकायत को देखते हुए योजना की विस्तार से जाँच करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने आज दुपाड़ा में 5 वर्ष से निर्माणाधीन अपूर्ण गौशाला का भी निरीक्षण किया। इतने वर्षों से गौशाला निर्माण अपूर्ण होने को देखते हुए कलेक्टर ने निर्माण राशि सरपंच एवं सचिव से वसूल करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिये। कलेक्टर ने ग्राम दुपाड़ा के खेड़ापति वेयर हाउस एवं उप अनाज मण्डी में समर्थन मूल्य पर की जा रही गेहूं खरीदी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान खेड़ापति वेयर हाउस में व्यवस्थित रूप से खरीदी करने के निर्देश खरीदी एजेंसी को दिये। कलेक्टर ने उप मण्डी में की जा रही खरीदी के संबंध में निर्देशित किया कि खरीदे गये गेहूं की स्टेकिंग सही कराएं और सेंट्रल वेयर हाउस मक्सी में तत्काल परिवहन करें। इसके उपरांत कलेक्टर ने लसुड़िया जगमाल में निर्माणाधीन गौशाला के निरीक्षण के दौरान निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही गौशाला के लिए स्थानीय दानदाताओं को सामग्री प्रदान करने के लिए भी प्रेरित करने के लिए भी कहा। इसके उपरांत ग्राम भोपाखेड़ी में जल निगम द्वारा बनाए गये वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। ग्राम डोकरगांव में जल संरक्षण के लिए बनाई गई कन्टूर ट्रेंचेस का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने मानव श्रम से कन्टूर बनाने के निर्देश दिये। साथ ही ग्राम डोकरगांव में ही कलेक्टर ने प्रस्तावित तालाब एवं पेयजल वितरण कार्य का निरीक्षण भी किया इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री विजय सिंह चौहान, तहसीलदार श्री सुनील पाटिल, जनपद पंचायत सीईओ श्री अमृतराज सिसोदिया, नायब तहसीलदार श्रीमती दिव्या जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

सीएम हेल्पलाइन में ए. ग्रेड बनना है तो फर्जी शिकायत दर्ज कराओ,निराकरण बताओ ओर प्रमाणपत्र पाओ

नगर पालिका खरगोन का नया प्रयोग वाहवाही लूटने का निकाला करिश्माई तरीका

खरगोन–एक ओर जहाँ प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश के परिपालन में खरगोन कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा सीएम हेल्पलाइन को लेकर काफी गंभीरता दिखाई जा रही है उनके द्वारा लगातार सभी विभाग को सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का समय सीमा में व संतुष्टि पूर्ण निराकरण करने हेतु बार बार निर्देशित किया जा रहा है व कई बार अधिकारीयो को फटकार भी लगा चुकीं है ।सुश्री भव्या मित्तल का सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश है के सभी को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण रु1 स्तर पर ही करने का प्रयास करना चाहिए कोई भी शिकायत 50 दिन 100 दिन या उससे अधिक लंबित है तो उस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। शिकायतों को संतुष्टि पूर्ण निराकरण कर मासिक ग्रेडिंग में A ग्रेड लाने का प्रयास करना चाहिए । कलेक्टर मैडम की बातों और निर्देशों पर गंभीरता दिखाते हुए मुख्य नगर पालिकाअधिकारी एम .आर. निगवाल ने भी ठान लिया के अब नगर पालिका की ग्रेडिंग A ग्रेड पर ही रहेगी पर सवाल था कैसे...? तो

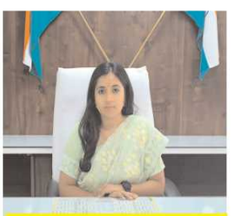
सुश्री भव्या मित्तल (कलेक्टर)

एम. आर निगवाल (सीएमओ)

फिर एक युक्ति निकाली गयी के जैसे स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर पालिका को शाइन बोर्ड ,पोस्टर,बेनर लगा कर 7 स्टार बनाया गया।बिना लगाए ही डस्टबिनो की सिर्फ फोटो खिंचा कर काम हो गया ,बड़ी सफाई से शहर की सफाई का सर्वेक्षण करा दिया। वैसे ही सीएम हेल्पलाइन में भी ग्रेड तो अब A ही रहेगी। तो इसके लिए साहब के कुछ करीबी विद्वानों ने काफी सोच समझ कर इस मर्ज (तकलीफ) का तोड़ निकाल ही लिया जिसका नाम है मर्ज (मिलाना) । तो निगवाल सर ने सीएम हेल्पलाइन की मर्ज सुविधा का भरपूर लाभ उठाते हुए नगर पालिका की किसी शिकायतकर्ता की शिकायत यदि 2 या उससे अधिक है जिनका लंबे समय से किसी मजबूरी या वचन के चलते निराकरण नही कर पा रहे है, तो उन सभी को एक दूसरे में मर्ज (मिलान)कर दो फिर चाहे वह भिन्न विषय की शिकायत ही क्यों न हो, किसी एक शिकायत में कोई भी मनघडंत प्रतिवेदन डाल कर फोर्स क्लोज करवा दो तो उसके साथ बाकी की सभी शिकायतें भी स्वत: बंद हो जाएगी। फिर चाहे उन शिकायतों की कोई जांच तक नही की गई हो या जो जांच में सत्य पाई जाने के बाद नगर पालिका ने उस संबंध में कार्यवाही का नोटिस भी दे दिया हो या जो शिकायत जनहित या शासनहित की हो उसे बंद कर दिया जाएगा । सर मंसाराम की मंशा तो शायद यही लग रही है के यदि वे इस तकनीक का प्रयोग यूँही करते रहे तो कलेक्टर मेडम को एक ना एक दिन उन्हें A ग्रेड से सम्मानित करना ही पड़ेगा।करना भी चाहिए सही तो है, क्योंकि साहब के विद्वानों ने इतना दिमाग लगा कर यदि बिना शिकायत का निराकरण किये शिकायत बंद कर A ग्रेड में आने की इस तकनीक का प्रयोग करना सीखा है तो इस उपलब्धि के लिए उन्हें पुरस्कार तो मिलना ही चाहिए । जैसा खरगोन को स्वच्छता में 7 स्टार बनाने के लिए मिलने वाला है ?? ये.. पब्लिक है सब जानती है ।

ग्रेडिंग बढ़ाने का एक तरीका ये भी है ...

नगर पालिका के सामने की चाय टपरी पर हो रही खुसुरफुसुर को जब कान लगा कर सुना तो.. पता चला ... नगर पालिका के एक जिम्मेदार साहब बहादुर ने सीएम हेल्पलाइन पर ग्रेडिंग बढ़ाने के लिए कुछ ग्रेडिंग योद्धा बना रखे है, जो इनके कहने पर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाते है फिर कुछ दिन बाद इनके ही कहने पर शिकायत को बंद भी करवा देते है ,जिसके लिए उन्हें शाबाशी के साथ इनाम भी मिलता है ।ओर यह सब गुथाफांद सीएम हेल्पलाइन के हिसाब में पुराना बाकी नया चुकता कर रेटिंग हालिस करना है।

विधानसभा में भी उठा सीएम हेल्प लाइन का मुद्दा

कुछ दिन पहले ही विधानसभा में भी कॉंग्रेस विधायक विजय रेवनाथ चौरे ने प्रश्नकाल के दौरान सीएम हेल्पलाइन पर अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन में धांधली, दबाव बना कर शिकायत वापस लेने व महीनों तक लंबित शिकायतों के प्रकरण में विधानसभा में प्रश्न उठा कर सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया था ।उनका कहना है कि योजना अच्छी है पर अधिकारी /कर्मचारियों की मनमानी के चलते धरातल पर शून्य साबित हो रही है ।सरकार को इस ओर ध्यान देना आवश्यक है ।

गणगौर पर्व के गीतो से क्षेत्र सहित नगर कुक्षी मे छाया उल्लास

प्रतिदिन लाई जा रही श्रृंगारित फुल पाती

कुक्षी नगर सहित क्षेत्र में इस समय गणगौर पर्व का उत्साहभरा वातावरण बना हुआ है। पर्व के अन्तर्गत माता की बाड़ी में ज्वारे बोये गये है। तथा वहा पर प्रतिदिन भक्ती भाव का दौर चलने के साथ जल सिंचन एवं धुप ध्यान किया जा रहा है।

महिलाओं द्वारा गणगौर गीत ''रनुबाई-रनुबाई खोलो किवाड़ो, बाहर उबा म्हे पूजन वाला ''.....। ''जवरा-ज्वारा माता कंकुरा क्यारा, जव म्हारा लेरा लेहराया''.....। ''झमरालीया रो घर म्हारी माता, नेड़ो बसे के दुर ओ''.....। ''हंस-हंस पूछे दिवाणजी वात, कण ने वाया माता रा जाग''.....। ''घाटी चड़ी न हव हारी म्हारी चंदा''.....।

आदि से घर मोहल्लो को गुंजायमान बना दिया गया है।

बालिकाओं द्वारा लाई जा रही प्रतिदिन श्रृंगारित पातियाँ ।

गणगौर पर्व के दौरान सिर्वी समाज सकल पंचो के नेतृत्व मे समाज की बालिकाओं व महिलाओं के द्वारा कचहरी चौक से प्रतिदिन फुल तथा पत्तियों से श्रृंगारित पातियाँ चल समारोह के साथ लाई जा रही हैं। बालिकाएँ अपनी सखी सहेलियो के साथ बाग बगीचे व विशेष स्थान से ढोल व तासे के साथ फुल व पात्तियाँ से सुसज्जीत कलश को लकड़ी के बाजोट पर रख सिर पर धारण कर पौंतिया लाती है। तथा महिलाए रात्रि के समय माता की बाड़ी व घरो में झालरिये गाकर धानी, पतासे व बेर की प्रसादी का वितरण करती जिसे तम्बोल कहा जाता है। 31 मार्च को अंतिम बड़ी पाती के दिन बालिकाओं के द्वारा दुल्हा -दुल्हन बनकर विशेष श्रृंगारित पातियाँ लाई जायेगी। इस मनमोहक दृश्य को देखने नगर में भारी भीड़ उमड़ेगी।

गुड़ी पड़वा को लाये जायेंगे गुड़ले पर्व के दौरान नव वर्ष गुड़ी पड़वा के दिन रात्री मे 8 बजे सिर्वी समाज की महिलाओं द्वारा नगर के कचहरी चौक से मिट्टी के गुड़लो का पूजन कर उसमे दीप जलाकर अपने सिर पर धारण करते हुए चल समारोह के साथ घरों पर ले जाया जायेगा। जो की विवाह परम्परा का एक हिस्सा होता हे और यह गणगौर पर्व भी शिव पार्वती के विवाह का ही प्रतीक पर्व है। महीलायें इसमे बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदारी निभाती है। अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतिक अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतीक पर्व गणगौर राजा धनियार व रणुमा के गृहस्थ प्रेम एवं शिव पार्वती के पूजन आराधना से जुड़ा हुआ आस्था के अनेक रंगो का प्रतीक पर्व है । इस पर्व पर जहाँ विवाहीत महिलाये अपने पति की लम्बी उम्र व परिवार की सुख सम्द्धि की कामनाऐ करती है वही कन्याओ के योग्य वर की प्राप्ति के लिये गौरी माता की आराधना करती है । सम्पूर्ण आयोजन मे समाज सकल पंच समिति व वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलता रहता है।

थाना औद्योगिक क्षैत्र जिला रतलाम पुलिस द्वारा हत्या का खुलासा

रतलाम- दिनांक 27.3.2025 को डाट की पुलिया रतलाम मे अज्ञात आरोपीयो द्वारा चाकु से हमला कर रईश पिता मुजीद खान निवासी शिव नगर रतलाम की हत्या कर फरार हो गए । मृतक रईश के पिता मुजीद खान की सूचना पर अपराध क्रमांक 223/2025 धारा 103(1) बी.एन.एस. का कायम कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस कार्यवाही का विवरण - घटना की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक राकेश खाखा के मार्गदर्शन नगर पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र घनघोरिया के नेतृत्व में थाना अद्योगिक क्षेत्र रतलाम, थाना स्टेशन रोड रतलाम, थाना डीडी नगर, थाना माणकचौक रतलाम, सायबर सेल, सीसीटीवी, डीएसबी, की अलग अलग टीम बनाकर लगातार प्रयास कर घटना के तुरंत बाद ही आरोपीयो को गिरफ्तार किया गया ।

अभिरक्षा मे लिगे गए बाल अपचारी 1. विधीविरुद्ध बालक 1 2. विधीविरुद्ध बालक 2 3. विधीविरुद्ध बालक 3 4. विधीविरुद्ध बालक 4

फरार आरोपी - 1. विधीविरुद्ध बालक 5 2. विधीविरुद्ध बालक 6 आपराधीक रिकार्ड - फरार आरोपी विधीविरुद्ध बालक 5 के विरूद्ध थाना स्टेशन रोड रतलाम पर 04 अपराध (मारपीट, हत्या का प्रयास के) पंजीबद्ध है । फरार आरोपी विधीविरुद्ध बालक 6 के विरुद्ध थाना स्टेशन रोड रतलाम पर कुल 06 (मारपीट, हत्या का प्रयास, अश्लील गाली गलोच) और थाना औद्योगिक क्षैत्र रतलाम पर 01 अपराध (हत्या का प्रयास) कुल 07 अपराध पंजीबद्ध है । सराहनीय भूमिका - निरीक्षक मुनेंद्र गौतम थाना प्रभारी औद्योगिक क्षैत्र रतलाम व उनकी टीम, थाना प्रभारी स्वराज डाबी थाना स्टेशन रोड रतलाम व उनकी टीम, थाना प्रभारी अनुराग यादव व उनकी टीम, थाना प्रभारी रविन्द्र दंडोतिया व उनकी टीम, सायबर सेल की टीम, सीसीटीवी टीम, डीएसबी की टीम, उनि मुकेश सस्तिया चौकी हाट रोड रतलाम व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

शेख परिवार के नन्हे नन्हे बच्चो ने रखा पहला रोजा

14 घंटे भुखे प्यासे रहकर की खुदा की इबादत

राणापुर- मुस्लिम समाज का पवित्र महीना रमजान अब खत्म होने को है। संभवत: रविवार को चांद नजर आ जाएगा तथा रमज़ान का पवित्र महीना खत्म हो जाएगा। मुस्लिम समाज सोमवार को ईदुल फितर का त्योहार मनाएगा। रविवार को चांद ना दिखने पर यह पर्व मंगलवार को मनाया जाएगा। गुरुवार व शुक्रवार की दरमियानी रात समाज ने शब ए कद्र का पर्व मनाया व रात जागकर खुदा की इबादत की। रमज़ान माह के चलते समाज में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है समाजजन उत्साह पुर्वक रोजा रखकर खुदा

की इबादत कर रहे हैं। समाज के अनेक नन्हे नन्हे बच्चे अपनी जिंदगी का पहला रोजा रख रहे हैं। इसी कड़ी में नगर के शेख परिवार के दो नन्हे नन्हे बच्चे इनाया जकीउद्दीन शेख (7 वर्ष) व हम्ज़ा रमीजुद्दिन शेख पटवारी (7 वर्ष) ने अपनी जिंदगी का पहला रोजा रखा। परिवार के हाजी नईमउद्दीन शेख पटवारी ने बताया की बच्चो ने सुबह 5 बजे से पहले सेहरी करने के बाद दिन भर खुदा की इबादत करते हुए शाम को 6.42 पर रोजा इफ्तार कर रोजा खोल कर दिन भर गर्मी को मात देते हुए अपनी जिंदगी का पहला रोजा पुरा करा। बच्चों ने लगभग 14 घंटे भुखे प्यासे रहकर रोजा रखकर खुदा की इबादत की इस अवसर पर परिवारजनों ने पुष्पमाला पहनाकर उनका सम्मान करा।

स्कूल बस MP 09 AF 4311 बस ने अंध गति से चलते हुए कॉसमॉस

कॉलोनी के गेट पर जीजा साले को मारी जोरदार टक्कर दोनो घायल

पीथमपुर- शुक्रवार एक स्कूल बस MP 09 AF 4311 बस ने अंध गति से चलते हुए कॉसमॉस कॉलोनी केस्कूल बस MP 09 AF 4311 बस ने अंध गति से चलते हुए कॉसमॉस कॉलोनी के गेट पर जीजा साले को मारी जोरदार टक्कर गेट पर जीजा साले को मारी जोरदार टक्कर जिससे मोटरसाइकिल सवार मो09 ZW 1696 से इंडोरामा से महू सामान लेने के लिए जा रहे थे जिसे स्कूल बस द्वारा जोरदार टक्कर मार दी गई जिससे जीजा साला दोनों रोड पर गिर गए वह साले सचिन जायसवाल निवासी इंडोरामा को सर में गंभीर चोट आई जिससे वहां के आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत उठाकर निजी वाहन से मध्य भारत हॉस्पिटल महू ले जाया गया वहां पर उपचार कर कर में आंखों के ऊपर 8 8 टैंक आए वह फिर वह संबंधित थाना किशनगंज जाकर अपनी रिपोर्ट दर्ज कराई किस इंजन थाना पुलिस ने टाइमिंग दर्ज कर उक्त वाहन को ढूंढने के लिए रिपोर्ट दर्ज की है

अवकाश दिवस में भी खुला रहेगा आरटीओ कार्यालय

झाबुआ। आगामी 03 दिवस शासकीय अवकाश होने पर भी आरटीओ ऑफिस सामान्य दिवस की भांति खुले रहेंगे। जिला परिवहन अधिकारी कृतिका मोहटा ने बताया कि वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने से राजस्व संग्रहण के दृष्टिकोण से आज से 03 दिवस कार्यालय परिवहन विभाग संबंधी सभी सेवाओं के लिए कार्यालयीन समय में खुला रहेगा ।

खामोशी से इबादत में मसरूफ रहा मुस्लिम समाज

अपने रब को राजी करने के लिए रोजा रखने के साथ ही पांच वक्त की नमाज भी पाबंदी के साथ अदा कर रहे हैं

बाग- इस्लाम के पांच मूलभूत सिद्धांतों में से एक सिद्धांत रोजा रखना भी है जो हर बालिग महिला पुरुष पर अनिवार्य है। इस बार रमजान के इस मुकद्दस पर्व की शुरूआत 1 मार्च से चांद दिखाई देने पर हुई थी। 2 मार्च को पहला रोजा रखा गया था।अब मुस्लिम समाज रमजान पर्व के अंतिम पड़ाव में व्यस्त है। बचे बूढ़े महिलाएं कामकाजी पुरुष एवं व्यवसायी आदि सभी अपने अल्लाह को राजी करने के लिए भीषण गर्मी में रोजे रखकर इबादत कर रहे हैं।

आखिरी अशरा एक अशरा (दस दिनों) को कहते हैं। रमजान के पवित्र महीने को 3 अशरे में बांटकर तीनों अशरे की खास फजीलत (गुण) बयां की गई हैं। इस्लाम में रमजान के शुरुआती 10 दिन या पहले अशरे को रहमत का अशरा बताया गया है। दूसरे अशरे को बरकत का अशरा और तीसरे और आखिरी अशरे को जहन्नुम से आज़ादी का अशरा कहा गया है। रमज़ान का आखिरी अशरा सबसे महत्वपूर्ण है। इसी अशरे की 5 पाक रातों 21वीं, 23वीं, 25वीं, 27वीं और 29वीं में से किसी एक रात में पवित्र कुरान शरीफ नाजिल हुई थी। इन रातों में से जिस रात कुरान शरीफ नाजिल हुई, उसे शब-ए-कद्र की रात कहते हैं। इसलिए इन रातों की अहमियत काफी बढ़ जाती है। लैल का अर्थ रात और कद्र का अर्थ होता है महान।? रमज़ान में लैलतुल क़दर अर्थात महान रात को खोजने के लिए कहा गया है। क्योंकि इन 5 रातों में ही लैलतुल कद्र की वह रात हो सकती है।लैलतुल कद्र की रात को कुरान में हज़ार महीनों से बेहतर रात घोषित किया गया है। लैलतुल कद्र की रात हज़ार महीनों से बेहतर है। उस रात फ़रिश्ते और पवित्र रूहें हर महत्वपूर्ण मामलें में अपने रब की अनुमति से उतरते है वह रात पूर्णत: शान्ति और सलामती है, सुबह के उदय होने तक पौ फटने तक सब शांति है। अल कुरान इसलिए आखिरी अशरे में ऐतकाफ करने अर्थात दुनियावी ज़िन्दगी छोड़कर पूरी रात मस्जिद में बैठ कर इबादत करते हैं। एतेकाफ का अज्ञ (पुण्य) बहुत ही यादा है। नबी पैगंबर हज़रत मुहम्मद अपनी ज़िंदगी के आखिरी दिनों तक रमज़ान के आखिरी अशरे में एतकाफ किया करते थे। इस रमज़ान का यह आखिरी अशरा चल रहा है। इसके साथ ही मुस्लिम समाज द्वारा गुरुवार को चोथी रात शबे कद्र कि विशेष नमाज अदा कि एवं पुरी रात इबादत कि । बाग नगर की सभी मस्जिदों को विशेष रूप से आकर्षक विद्युत साज सजा से सजाया गया है। लैलतुल कद्र के दिन समाजजन पूरी रात जाग कर मस्जिदों में इबादत कि । रमजान माह के अंतिम शुक्रवार को नगर की सभी मस्जिदों में अलविदा माहे रमजान का विशेष खुत्बा व नमाज अदा की । इसके तीन दिन बाद चांद दिखाई देने पर ईद मनाई जाएगी। ईद की तैयारी के क्रम में मार्केट में चहल-पहल दिखाई देने लगी है विशेष कर रेडीमेड कपड़े, जूते चप्पल, श्रृंगारसामग्री, किराना दुकानों पर महिलाओं युवाओं और बच्चों की भीड़ दिखाई दे रही है। युवाओं में इस बार परंपरागत लिबाज़ कुर्ता पजामा का चलन अधिक देखा गया है रेडीमेड कुर्ते सहित टेलर के यहां कुर्ता पजामा सिलवाने वाले की भीड लगी हुई है।

जोरदार भूकंप से ढह गई ये मस्जिद, इतने लोगों की गई जान, जानें लेटेस्ट अपडेट

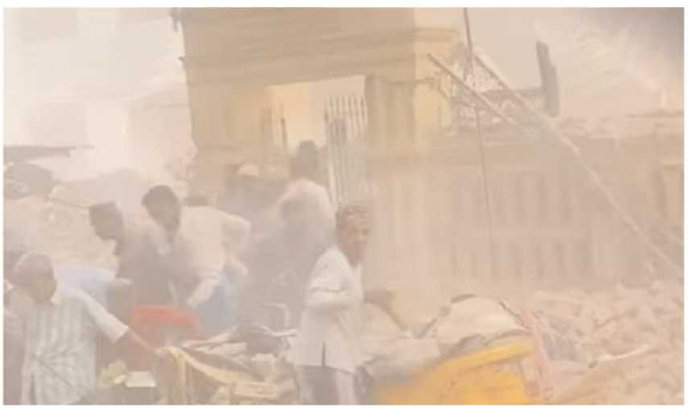

इंटरनेशनल डेस्क. म्यांमार में शुक्रवार, 28 मार्च को आए जबरदस्त भूकंप ने भारी तबाही मचाई। इस आपदा में मंडालय की एक मस्जिद पूरी तरह से ध्वस्त हो गई, जिसमें 20 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। भूकंप के दौरान मस्जिद में नमाज अदा कर रहे लोग फंस गए और उनके बचने की कोई संभावना नहीं रही। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मलबे में अभी भी कुछ लोग दबे हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है। ब्रह्म की रिपोर्ट के मुताबिक, म्यांमार में आए भूकंप से अब तक 25 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा, टाउंगो क्षेत्र में भी 5 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य इलाकों में भी नुकसान की खबरें सामने आ रही हैं। इस प्राकृतिक आपदा के कारण बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

मंडालय यूनिवर्सिटी में तबाही, आग लगने की खबर

भूकंप से मंडालय यूनिवर्सिटी में भी भारी नुकसान हुआ है। कुछ इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं, जबकि एक हिस्से में आग लगने की भी खबर है। इस घटना के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन और स्थानीय प्रशासन मौके पर राहत कार्यों में जुटा है। अभी तक किसी छात्र के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ के घायल होने की खबर सामने आई है।

थाईलैंड में भी महसूस हुए झटके, इमारत ढही

इस भूकंप का असर पड़ोसी देश थाईलैंड में भी देखने को मिला। बैंकॉक में भूकंप के झटकों के कारण एक गगनचुंबी इमारत धराशायी हो गई, जिसमें कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और 81 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं।

थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री ने बयान जारी कर कहा कि राहत और बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है और लापता लोगों को खोजने के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं।

राहत कार्य जारी, प्रशासन अलर्ट पर

म्यांमार और थाईलैंड दोनों ही देशों की सरकारें आपातकालीन राहत कार्यों में जुट गई हैं। अस्पतालों में घायलों का इलाज किया जा रहा है और राहत शिविर स्थापित किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी मदद के लिए आगे आ रही हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है।

एयरपोर्ट और स्टॉक मार्केट बंद, इमरजेंसी लागू...

थाईलैंड और म्यांमार में भीषण भूकंप के बाद ऐसे हालात

इंटरनेशनल डेस्क. थाईलैंड और म्यांमार में शुक्रवार को आए जबरदस्त भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता वाले इस भूकंप का केंद्र म्यांमार के सगाइंग क्षेत्र में था। इसके झटके थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक तक महसूस किए गए। कई इमारतें धराशायी हो गईं, सैकड़ों लोग बेघर हो गए और कई की जान चली गई। हालात को देखते हुए थाईलैंड सरकार ने देश में इमरजेंसी लागू कर दी है।

एयरपोर्ट और सबवे सेवाएं बंद, लॉकडाउन जैसे हालात

भूकंप के कारण थाईलैंड के प्रमुख एयरपोर्ट और सबवे सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। बैंकॉक के सुवर्णभूमि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। राजधानी बैंकॉक और अन्य प्रभावित शहरों में लोग सड़कों पर आ गए हैं। कई जगहों पर संचार सेवाएं भी बाधित हुई हैं।

बड़ी इमारतें गिरीं, चारों ओर अफरा-तफरी

थाईलैंड और म्यांमार की सड़कों पर दहशत का माहौल है। बड़े-बड़े टावर और रिहायशी इमारतें भूकंप के झटकों से जमींदोज हो गईं। बैंकॉक में एक गगनचुंबी इमारत गिरने से कई लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लापता बताए जा रहे हैं। म्यांमार के मांडलेय क्षेत्र में प्रसिद्ध एवा ब्रिज के ढहने की खबर है।

स्टॉक मार्केट में कारोबार ठप, अर्थव्यवस्था पर असर

भूकंप के कारण थाईलैंड स्टॉक एक्सचेंज ने भी कारोबार रोक दिया है। बिजली आपूर्ति बाधित होने और महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्रों के प्रभावित होने से देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्राकृतिक आपदा से देश को लंबे समय तक आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताई चिंता, मदद का दिया आश्वासन

इस भूकंप के बाद दुनियाभर की नजरें थाईलैंड और म्यांमार पर टिकी हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा, भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। अधिकारियों को अलर्ट रहने और विदेश मंत्रालय को प्रभावित देशों की सरकारों के संपर्क में रहने को कहा गया है।

बैंकॉक में तबाही का मंजर

बैंकॉक, जो पर्यटन के लिए मशहूर शहर है, अब तबाही के दृश्य पेश कर रहा है। सड़कों पर मलबे के ढेर लगे हैं, लोग अपनों को तलाश रहे हैं। बैंकॉक का एक विशाल टॉवर धराशायी हो गया, जिससे सैकड़ों लोग घायल हो गए। पूरे शहर में दहशत और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में राहत अभियान जारी

सरकार और राहत एजेंसियां तेजी से बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। सेना और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

म्यांमार-थाईलैंड के बाद अब अफगानिस्तान में कांपी धरती

सुबह-सुबह आया जोरदार भूकंप, सहम उठे लोग

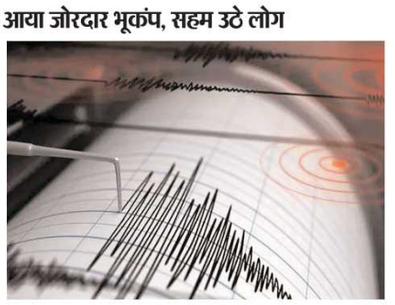

इंटरनेशनल डेस्क: म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप की तबाही के बाद अब अफगानिस्तान में भी धरती कांप उठी। शनिवार, 29 मार्च 2025 को सुबह लगभग 4:51 बजे अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। यह भूकंप अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में महसूस किया गया, जिससे वहां के लोग घबराहट में आ गए। नींद से उठे लोग अचानक अपने घरों में हिलते-डुलते महसूस करने लगे और बाहर की ओर दौड़ने लगे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था और यह धरती की गहराई में 221 किलोमीटर अंदर आया था। भूकंप के बाद घरों में रखी चीजें, जैसे बल्ब, पंखे और बेड, हिलने लगे। कई जगहों पर खिड़कियां और दरवाजे भी कंपन करने लगे, जिससे लोगों में अफरातफरी फैल गई। हालांकि, भूकंप के दौरान किसी प्रकार की जानमाल की हानि होने की खबर अभी तक नहीं मिली है।

स्थानीय प्रशासन और राहत दलों ने स्थिति की निगरानी शुरू कर दी है और विशेषज्ञों के मुताबिक, यह भूकंप एक मामूली तीव्रता का था, लेकिन अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में इसकी घबराहट ने जनजीवन को प्रभावित किया। भूकंप के बाद, राहत कार्यों की तैनाती की गई है, लेकिन नुकसान की स्थिति को लेकर अभी किसी प्रकार की विस्तृत रिपोर्ट सामने नहीं आई है। इससे पहले 21 मार्च को अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। जिनकी रिक्टर स्केल पर 4.9 तीव्रता तीव्रता मापी गई थी। यह भूकंप 160 किलोमीटर की गहराई पर था.

अस्पताल ने गर्भवती महिला को दो बार लौटाया वापिस, ठेले पर हुई डिलीवरी, बच्चे की मौत

नेशनल डेस्क. मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जिसमें एक गर्भवती महिला को दो बार अस्पताल से लौटाया गया और अंततः अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी डिलीवरी हो गई। महिला के पति ने आरोप लगाया है कि अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उनके बच्चे की मौत हुई।

घटना का समय और विवरण

यह घटना 23 मार्च को सैलाना इलाके में घटी। कृष्णा ग्वाला अपनी पत्नी नीतू को सुबह 9 बजे कम्युनिटी हेल्थ सेंटर लेकर गए थे। वहां ड्यूटी पर मौजूद नर्स ने कहा कि डिलीवरी में कुछ दिन और लगेंगे और महिला को घर भेज दिया। लेकिन रात करीब 1 बजे महिला को तेज दर्द होने लगा। इस पर कृष्णा ने उसे फिर से अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां दूसरी नर्स ने कहा कि अभी और समय लगेगा और महिला को भर्ती करने से मना कर दिया।

रात करीब एक घंटे बाद नीतू को फिर से प्रसव पीड़ा हुई। इस बार कृष्णा ने पत्नी को ठेले पर लिटाकर ते ी से अस्पताल की ओर दौड़ा, लेकिन रास्ते में ही महिला की डिलीवरी हो गई। अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद नर्स ने किसी तरह डिलीवरी करवाई, लेकिन बच्चा मृत पाया गया।

अस्पताल पर आरोप और कार्रवाई

कृष्णा ग्वाला ने अस्पताल की लापरवाही को नवजात की मौत का कारण बताते हुए एसडीएम मनीष जैन से शिकायत की। उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हो रहा है, जिसमें पति अपनी पत्नी को ठेले पर लेकर अस्पताल जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जिला अस्पताल के प्रभारी सीएमएचओ डॉ. एमएस सागर ने बताया कि कलेक्टर राजेश बाथम ने नवजात की मौत की जांच के आदेश दिए हैं। जिला स्तर की जांच में ड्यूटी में लापरवाही पाई गई है। सैलाना ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. पीसी कोली को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जबकि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर शैलेश डांगे के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य स्वास्थ्य सेवा आयुक्त को पत्र भेजा गया है। इसके अलावा नर्सिंग अधिकारी चेतना चारेल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है और एनएचएम की संविदा नर्स गायत्री पाटीदार की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

खुद को ही खाना शुरू कर देता है दिमाग, जब आप लगातार करते हैं ये कामः रिसर्च में हुआ खुलासा

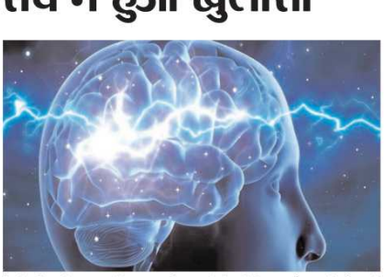

इंटरनेशनल डेस्क. अगर कोई व्यक्ति अधिक समय तक और लगातार कड़ी मेहनत करता है, तो उसका मस्तिष्क ऊर्जा की कमी को पूरा करने के लिए अपने कुछ हिस्सों को तोड़ने लगता है। एक शोध में यह पाया गया कि जब शरीर में ग्लूकोज का स्तर बहुत कम हो जाता है, तो मस्तिष्क अपनी सुरक्षा परत (मायलिन) को ऊर्जा के रूप में उपयोग करने लगता है। मायलिन एक चिकनी परत होती है, जो तंत्रिका कोशिकाओं को सुरक्षित रखती है। स्पेन के न्यूरोसाइंटिस्टों ने एक शोध के दौरान 10 मैराथन धावकों के मस्तिष्क का स्कैन किया। उन्होंने दौड़ से पहले और बाद में उनके मस्तिष्क का एमआरआइ स्कैन किया। इस शोध में पाया गया कि दौड़ पूरी करने के बाद धावकों के मस्तिष्क में मायलिन की कमी हो गई थी। खासकर दौड़ के बाद मस्तिष्क के वे हिस्से अधिक प्रभावित हुए जो गति, संवेदनशीलता और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं से जुड़े होते हैं। यह प्रक्रिया मेटाबोलिक मायलिन प्लास्टिसिटी कहलाती है, जो एक जीवित रहने की रणनीति है। जब मस्तिष्क में ऊर्जा कम होती है, तो वह काम करना बंद करने की बजाय अपनी सुरक्षा परत (मायलिन) को छोड़ देता है। यही कारण है कि धावक दौड़ के बाद धीमी प्रतिक्रिया और स्मृति से जुड़ी समस्याओं का अनुभव करते हैं। हालांकि, यह प्रभाव अस्थायी होता है। जब शरीर को पर्याप्त पोषण और आराम मिलता है, तो मस्तिष्क अपनी सामान्य स्थिति में वापस लौट आता है। शोध में यह भी पाया गया कि दो हफ्तों बाद मस्तिष्क में मायलिन की मात्रा बढ़ने लगी और दो महीने में यह पूरी तरह से सामान्य हो गया।

बलूचिस्तान में नहीं थम रहा आतंक

विद्रोहियों ने बस पर किया हमला, 6 लोगों की मौत

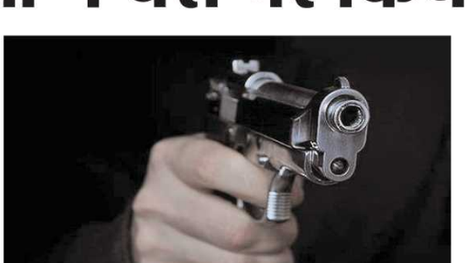

इंटरनेशनल डेस्क . पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध उग्रवादियों ने पंजाब प्रांत के छह लोगों को एक यात्री बस से नीचे उतार लिया और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हफीज बलूच ने बताया कि यह हमला प्रांत के ग्वादर जिले में उस समय हुआ जब बुधवार देर रात हथियारबंद लोगों ने ओरमारा राजमार्ग पर कलमत क्षेत्र के पास ग्वादर से कराची जा रही एक यात्री बस को रोक लिया। बंदूकधारियों ने बस से कुछ यात्रियों को उतारा और छह लोगों को गोली मार दी। बलूच ने बताया कि पांच यात्री मौके पर ही मारे गए, जबकि जीवित बचे एक व्यक्ति की बृहस्पतिवार सुबह अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने कहा, ''हथियारबंद लोगों ने यात्रियों के पहचान-पत्र जांचने के बाद छह यात्रियों की हत्या कर दी और तीन अन्य को अपने साथ ले गए। उन्होंने कहा कि सभी पीड़ित पंजाब प्रांत के थे। फिलहाल किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। उग्रवादियों ने ग्वादर बंदरगाह से खाद ले जा रहे तीन ट्रकों को भी सड़क पर अवरोध लगाकर रोक लिया और उनमें आग लगा दी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यात्री बस पर हमले की निंदा की और संबंधित अधिकारियों को जांच करने के साथ ही जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाने का निर्देश दिया। ''डॉन अखबार ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के हवाले से कहा, ''आतंकवादी देश के विकास और बलूचिस्तान की समृद्धि के दुश्मन हैं। वे बलूचिस्तान में प्रगति नहीं देख सकते। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने घटना की निंदा करते हुए कहा, ''निर्दोष यात्रियों को बस से उतारना और पहचान के आधार पर उनकी हत्या करना एक जघन्य और कायरतापूर्ण कृत्य है। यहां बुधवार को बस यात्रियों पर हमला ऐसे समय में हुआ है जब प्रांत में तनावपूर्ण स्थिति है, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के विद्रोहियों ने 440 यात्रियों को ले जा रही जाफर एक्सप्रेस का अपहरण कर लिया था। इस अपहरण में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 26 बंधकों की मौत हो गई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569